राघव चड्ढा बोले-पार्टी बन गई... 02


# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ.. 11


वर्ष - 02, अंक - 24 | गाजियाबाद / मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए


संक्षिप्त समाचार

## गिरफ्तारी से बचने 'सुप्रीम' शरण में पवन खेड़ा

● असम सीएम हिमंता की पत्नी पर लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के मुख्यमंत्री हिमंता की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंता की पत्नी रिंकी भुइयां के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने काफी आक्रामक जवाब दिया था। इससे पहले गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के

बाद कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई थी। शनिवार को पार्टी की तरफ से कहा गया कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है। साथ ही उम्मीद जताई कि उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां ने खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने खेड़ा को सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस ने इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश पारित कर ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और खेड़ा को गुवाहाटी उच्च न्यायालय जाने को कहा था। गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि यदि खेड़ा ने ये आरोप मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाए होते, तो यह मामला राजनीतिक बयानबाजी माना जा सकता था।

## कर्नाटक में फिर सीएम बदलने की चर्चा तेज

● शिवकुमार बोले-हाईकमान जो कहेगा सिद्धारमैया मानेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर से मुख्यमंत्री परिवर्तन की चर्चा तेज है। हालांकि दिल्ली में पार्टी हाईकमान से चर्चा करके वापस लौटे डिप्टी सीएम शिवकुमार ने हमेशा की तरह इस बार भी पार्टी के भीतर किसी भी तरह के मतभेद की खबरों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार में कोई समस्या नहीं है। कर्नाटक का नेतृत्व किसके पास होगा इसके बारे में जल्दी ही पता चल जाएगा। बता दें, शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद सीएम बदलने की चर्चाएं तेज हैं। दिल्ली में पार्टी हाई कमान से हुई मीटिंग के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा, हाई कमान ने क्या फैसला किया है। इसके बारे में

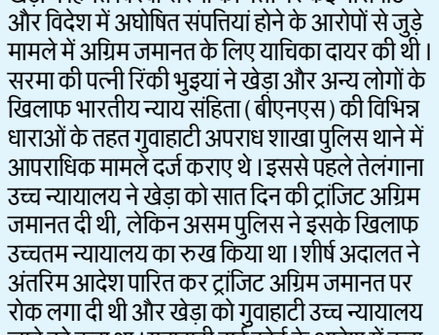

आपको जल्दी ही पता चल जाएगा। इसलिए मैं आपको यह नहीं बताऊंगा। वे (पार्टी हाईकमान) सही समय पर जो सही होगा वही करेंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी हाईकमान के फैसले के ऊपर सीएम सिद्धारमैया के रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हाई कमान जो भी फैसला लेगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया उसे स्वीकार करेंगे। इसमें कोई भी परेशानी नहीं है। सरकार के तीन साल पूरे होने के करीब संभावित नेतृत्व परिवर्तन की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की। मैंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की है। मुख्यमंत्री और मैंने दोनों ने कहा है कि उच्च नेतृत्व जो भी और जब भी निर्णय करेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे और उसका पालन करेंगे। बता दें, पिछले 6 महीने से कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लगातार चर्चा होती रही है। खासतौर पर नवंबर 2025 में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद लगातार यह खबर तेज हुई थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस हाई कमान ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को यह विवाद सुलझाने के लिए कहा। इसके बाद सीएम के घर नाश्ते पर दोनों नेता मिले।

# प्रचंड गर्मी, आसमान से बरस रहे आग के शोले

● दिल्ली-यूपी एमपी और राजस्थान में आग उगल रहा पारा

**महाराष्ट्र के अकोला में पारा 46.9,देश में सबसे गर्म रहा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रचंड गर्मी ने पूरे भारत की नींद उड़ा रखी है। अप्रैल में ही देश के कई जगहों पर पारा 40 डिग्री के पार चला गया है। वहीं, देश अभी से ही भीषण लू चलने लगी है, जिससे देश के कई शहर बेहद गर्म हो गए हैं। भारतीय मौसम विभाग ने हीटवेव यानी लू को लेकर चेतावनी दी है कि यह स्थिति उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले तीन दिनों तक बनी रहेगी। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ क्षेत्र, बिहार और गुजरात में यही हालात बने रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, झांसी, ओरछा और बालनगीर भारत के सबसे गर्म शहरों में से हैं। वहीं, विंडीडॉट कॉम के अनुसार, सोमवार दोपहर तक नई दिल्ली, अहमदाबाद और गुना का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं, नागपुर का पारा 42 डिग्री तक चढ़ गया था। बाकी धनबाद, प्रयागराज का तापमान 40 डिग्री के करीब यानी 39 डिग्री तक पहुंच चुका है। दिन में ये तापमान और बढ़ना तय है।

**बिहार में गर्मी से 2 और आंधी-बिजली से 5 मौतें-** देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46 डिग्री के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। अमरावती 46.8, बांदा 46.6, वर्धा और बाड़मेर 46.4, जैसलमेर और यवतमाल 46 डिग्री तापमान के साथ हीटवेब की चपेट में हैं। यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45 पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43 पर बना हुआ है।

उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बिहार के 8 जिलों में रविवार को पारा 40एष्ट के पार चला गया। यहां गर्मी से दो मौतों की खबर है। नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में आंधी और बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे 100 गर्म शहरों में से 95 शहर भारत में ही हैं। इसमें मध्य भारत से होकर गंगा के मैदानों तक कई शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं, कहीं-कहीं यह 45 डिग्री के पास पहुंच सकता है।

# भारत-न्यूजीलैंड के बीच हो गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

● अब सभी एक्सपोर्ट पर ड्यूटी जीरो हुई, 5000 भारतीयों को वर्किंग वीजा मिलेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) साइन हो गया है। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया। वहीं मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत बताया है। पीयूष गोयल ने कहा कि यह विश्वास,साझा मूल्यों और साझा विजन को दर्शाता है।

### न्यूजीलैंड को कृषि उत्पादों पर रियायत

**डेयरी पर छूट नहीं**

न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70 फीसदी टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवी फ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड को भारत में अपने 54 फीसदी से ज्यादा एक्सपोर्ट पर तुरंत शून्य ड्यूटी मिलेगी। इसमें शीप मीट, ऊन, कोयला और फॉरेस्ट्री प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

### न्यूजीलैंड 15 साल में भारत में 1.8 लाख करोड़ का निवेश करेगा

एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़) का निवेश आने की उम्मीद है।

### 5 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को वर्किंग वीजा मिलेगा

सर्विस सेक्टर में भारत ने शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है।

## ट्रंप पर तो गोली चलनी ही थी, भारत में भी ऐसा ही माहौल

**महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक वडेट्टीवार का विवादित बयान**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में हुई गोलीबारी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके शासन करने के तरीके को देखते हुए ये होना ही था। रिपोर्ट के

अनुसार, उन्होंने इसकी तुलना भारत से भी की। कांग्रेस के पांच बार के विधायक वडेट्टीवार ने कहा, ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अपना दबदबा बनाने और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश की। जैसी करनी, वैसी भरनी... चूंकि चीजें वैसी नहीं हुईं जैसी उन्होंने उम्मीद की थी, इसलिए ऐसा होना ही था। **भारत में भी लोगों का मिजाज ऐसा ही-** उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप के फैसलों से अमेरिका को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा कि भारत में भी लोगों का मिजाज कुछ अलग नहीं है। हालांकि, वडेट्टीवार ने किसी का नाम नहीं लिया।

## जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

● केजरीवाल बोले-उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा। उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, 'मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि

जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है।' उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच करीब 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।' दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में निचली अदालत ने केजरीवाल समेत 24 आरोपियों को बरी कर दिया है। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस केस की सुनवाई कर रही हैं। केजरीवाल उन पर हितों के टकराव का आरोप लगा रहे हैं।

● टीएमसी सांसद मिताली की कार पर हमला

## ईंट-पत्थर, लाठियों से किया वार सांसद और उनका ड्राइवर घायल

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। टीएमसी का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टीएमसी ने अपने ट्वीट में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। उत्तर 24 परगना के जगदल में रविवार रात को टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान पत्थरबाजी, फायरिंग और देशी बम भी फेंके गए। इसमें तीन लोग घायल हुए।

# भारत-रूस की नई सैन्य डील से दहशत में दुनिया!

● पुतिन और मोदी ने चीन-अमेरिका को दिए पांच बड़े संदेश

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के लीगल इन्फॉर्मेशन पोर्टल ने हाल ही में भारत के साथ पिछले साल हुए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के आपसी आदान-प्रदान यानि रीलोज सैन्य लॉजिस्टिक्स समझौते की जानकारी दी है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के देश में 3000 सैनिक, 10 लड़ाकू विमान और पांच युद्धपोतों की तैनाती कर सकेंगे। भारत और रूस के बीच किए गये इस सैन्य समझौते की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। रूसी समाचार एजेंसी से बात करते हुए भारत के पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त) ने लिखा है कि इस समझौते से भारत और रूस ने दुनिया को पांच अहम संदेश दिए हैं।

रीलोज समझौता क्या है- इस समझौते के तहत भारत और रूस की थल सेना, नौसेना और वायु सेना एक-दूसरे के सैन्य अड्डों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग कर सकेंगी। इस समझौते के तहत दोनों देश ईंधन, राशन, और रखरखाव जैसी सुविधाओं के लिए एक-दूसरे के नेटवर्क का इस्तेमाल कर पाएंगे।

**बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी-** इसके अलावा इस समझौते के तहत भारत को रूस के आर्कटिक (जैसे मरमंस्क) और सुदूर पूर्व (जैसे व्लादिवोस्तोक) के बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी। भारत-रूस बने हुए हैं रणनीतिक साझेदार- पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने आरटी को बताया है कि पेपे एस्कोबार ने मार्च में झूठा दावा किया था कि भारत ने रूस के साथ विश्वासघात किया है लेकिन रीलोज समझौते के बाद यह बात सच्चाई से कोसों दूर साबित होती है। इस समझौते के जरिए हिंद महासागर क्षेत्र में रूस की शीत युद्ध के दौर वाली स्थायी सैन्य मौजूदगी फिर से बहाल हो गई है। इसी तरह भारत और रूस की चीन पर निर्भरता कम होगी।

# अमेरिका से तनाव के बीच मास्को पहुंचे अराघची

● राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे ईरानी विदेश मंत्री ● अब बनाएंगे नया प्लान, पाकिस्तान को भेजा संदेश

**मॉस्को (एजेंसी)।** अमेरिका से तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची सोमवार को रूस पहुंचे। उनका रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की संभावना है। उनका दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ युद्धविराम टूटने की आशंका है। ईरान ने पाकिस्तान में अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से मना कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्रालय ने टेलीग्राम पर बताया कि अब्बास अराघची सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं जहां उनके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब अराघची ने इस्लामाबाद की यात्राओं के बीच ओमान का भी दौरा किया। मध्यस्थ तेहरान और वॉशिंगटन के बीच शांति वार्ता को जीवित रखने की कोशिशों में जुटे हैं। शनिवार को ईरान के आमने-

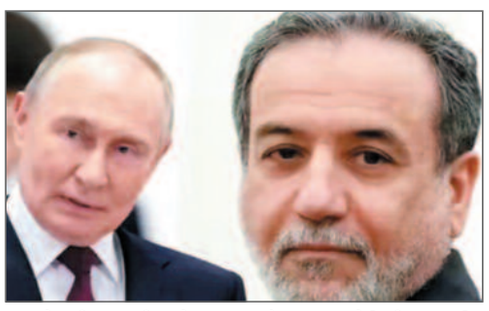

सामने की बातचीत से इनकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों स्टीव विटकॉफ और कुशनर की इस्लामाबाद की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी थी।

**रूसी राष्ट्रपति से मिलेंगे ईरान के विदेश मंत्री-** रूस वैश्विक शक्ति संबंधों के मामले में ईरान के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक है। ईरान इस बहुत ही पेचीदा स्थिति में रूस के प्रभाव का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। अराघची ने पहले कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। इस बीच फार्स ने ये भी बताया है कि पाकिस्तान को जो संदेश दिए गये हैं वो औपचारिक बातचीत का हिस्सा नहीं थे। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने रविवार को रिपोर्ट दी कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव भेजा है जिसमें परमाणु बातचीत को बाद के चरण के लिए टाल दिया गया है। इस रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी और इस मामले की जानकारी रखने वाले दो अन्य सूत्रों का हवाला दिया गया था।

### ट्रंप ने कहा- ईरान बातचीत के लिए कर सकता है फोन

इस बीच रविवार को डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा कि अगर ईरान बातचीत करना चाहता है तो वे हमारे पास आ सकते हैं या हमें फोन कर सकते हैं। वहीं जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या यात्रा रद्द करने का मतलब यह है कि फिर से लड़ाई शुरू हो सकती है तो उन्होंने कहा नहीं, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है। शनिवार को, अराघची ने ओमान जाने और फिर इस्लामाबाद लौटने से पहले उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात की थी।

## पति ने पत्नी की हत्या कर लकड़ी के बॉक्स में छिपा सीमेंट से कर दिया पैक

### -परिवार-पुलिस को किया गुमराह, एक पत्र ने खोला राज, आरोपी फरार

अहमदाबाद (एजेंसी)। सूरत शहर के सलाबतपुरा इलाके में मेरठ में हुए हत्याकांड की तरह एक कांड हुआ जिसमें पत्नी ने नहीं बल्कि पति ने घटना को अंजाम दिया और नीले ड्रम की जगह लकड़ी के बॉक्स में पत्नी की लाश को छुपा दिया। इस हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पति विशाल सालवी ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर अपराध को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया। उसने 20 अप्रैल को अपनी पत्नी और पेशे से डायटीशियन शिल्पा की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को छिपाने के लिए एक लकड़ी का बॉक्स तैयार किया और उसमें शव रखकर ऊपर से मोटी सीमेंट की परत चढ़ा दी, ताकि बदबू बाहर न आए और किसी को शक न हो। पुलिस के मुताबिक 20 अप्रैल को घरेलू झगड़े में विशाल ने शिल्पा की हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को गोदादरा स्थित अपने घर से सलाबतपुरा के पुराने मकान में ले जाकर पहले मंजिल पर लकड़ी के बक्से में रखा और उस पर सीमेंट डालकर छिपा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने अपराध छिपाने के लिए परिवार और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की उसने रिश्तेदारों को बताया कि वह शिल्पा को एसएमआईएमईआर अस्पताल छोड़कर आया था और वह घर नहीं लौटी। उसने पुलिस में मिसिंग रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। शिल्पा के पिता प्रदीप कोस्टा, जो छत्तीसगढ़ से सूरत आए थे, कई बार दोनों के बीच मध्यस्थता कर चुके थे। जब शिल्पा का फोन स्विच ऑफ मिला तो शक बढ़ गया। हालांकि मामले का सबसे ड्रामेटिक मोड़ शनिवार को आया, जब दंपति के बेटे ने व्हाट्सएप पर एक रिश्तेदार को पत्र भेजा। इस पत्र में विशाल ने खुद कबूल किया कि शुरुआती सालों में वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण था लेकिन लगातार घरेलू कलह ने उसे अपराध करने पर मजबूर कर दिया। पुलिस ने इसी पत्र के आधार पर पुराने मकान की तलाशी ली और शव बरामद किया। शव पांच दिन पुराना होने के कारण काफी सड़ चुका था। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। बता दें शिल्पा सालवी एमएससी की डिग्रीधारी थीं और सूरत के सरकारी एसएमआईएमईआर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में डाइटिशियन के रूप में काम करती थीं। दंपति की शादी नवंबर 2010 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। इनमें 13 साल का बेटा और 8 साल की बेटी है। विशाल पहले डायमंड इंडस्ट्री में काम करता था, लेकिन पिछले कुछ सालों से बेरोजगार था, जिसके चलते परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। इस घटना ने सूरत में घरेलू हिंसा और मानसिक तनाव को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। शिल्पा एक शिक्षित और कामकाजी महिला थीं, जिनका परिवार अब दो नाबालिग बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है।

## तोता जंगली पक्षी, फसल नुकसान पर मुआवजा दे सरकार : हाईकोर्ट

### -किसानों को प्रति पेड़ 200 रुपये देने के निर्देश

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तोता जंगली पक्षी की श्रेणी में आता है, इसलिए उसके द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई राज्य सरकार को करनी होगी। यह मामला किसानों की फसलों, खासकर अनार के पेड़ों को हुए नुकसान से जुड़ा था। अदालत ने स्पष्ट किया कि वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत जंगली जीव राज्य की संपत्ति माने जाते हैं, ऐसे में उनके कारण हुए नुकसान की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होती है। कोर्ट ने संबंधित मामले में प्रति पेड़ 200 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। इस फैसले को किसानों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से जंगली पक्षियों और जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब इस निर्णय के बाद किसानों को आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

## जगन्नाथ रथ यात्रा में भीड़ नियंत्रण के लिए सख्ती, कॉर्डन पास होंगे सीमित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर इस वर्ष प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने का निर्णय लिया है। ओडिशा सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए रथों के पास जारी किए जाने वाले कॉर्डन पास की संख्या कम करने का फैसला किया है। ये पास भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के आसपास बनाए गए सुरक्षा घेरे में प्रवेश के लिए दिए जाते हैं। प्रशासन का यह कदम पिछले वर्ष हुई दुखद घटना के मद्देनजर उठाया गया है, जब भारी भीड़ के कारण दबने से तीन श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। अधिकारियों का कहना है कि सीमित पास जारी करने से रथों के आसपास भीड़ कम होगी और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बेहतर तरीके से किए जा सकेंगे। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

## आज से राष्ट्रपति मुर्मू पांच दिन के हिमाचल दौरे पर, प्रदेश में सुरक्षा इंतेजाम पुख्ता

शिमला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से पांच दिन के हिमाचल प्रदेश दौरे पर रहेंगी। मुर्मू मंगलवार को शिमला के लोक भवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू अटल सुरंग जाएंगी। वह गुरुवार को पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अगले महीने की पहली तारीख को अपनी यात्रा के अंतिम दिन शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान का भी दौरा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार हिमाचल प्रदेश के छह दिन के दौरे पर शिमला पहुंची। वह शिमला से करीब 13 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति भवन रिट्रीट में ठहरेंगी। शिमला पुलिस ने राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शिमला शहर से लेकर छराबड़ा तक 1000 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए दो दिन से शिमला में रिहर्सल भी की जा रही थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अगले छह दिन हिमाचल में ही रुकेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर विश्वविद्यालय जाएंगी। 28 अप्रैल की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी।

# चारधाम यात्रा के लिए एलपीजी आपूर्ति 100% बनाए रखने का अनुरोध

**सन्दीप शर्मा**

**नई दिल्ली (शिखर समाचार)** उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से कर्तव्य भवन नई दिल्ली में भेंट कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

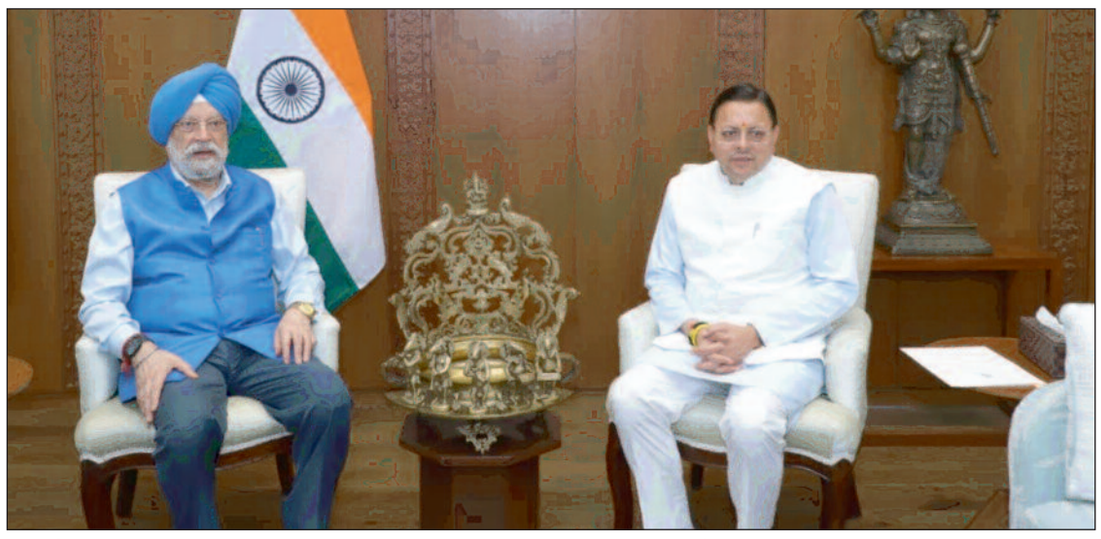

मुख्यमंत्री ने आगामी चारधाम यात्रा के सुचारू, सुरक्षित और निर्बाध संचालन के लिए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को पूर्ववत 100 प्रतिशत बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि अप्रैल से नवंबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान देश विदेश से लाखों श्रद्धालु उत्तराखण्ड पहुंचते हैं, जिससे एलपीजी की मांग में भारी वृद्धि होती है। इस अवधि में राज्य को लगभग 967949 व्यावसायिक सिलेंडरों की आवश्यकता होती है।

मुख्यमंत्री ने मानसून अवधि (जून से सितंबर) के दौरान राज्य में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एलपीजी गैस अत्यंत आवश्यक होती है। उन्होंने इस दृष्टि से अतिरिक्त 5 प्रतिशत (करीब 48,397 सिलेंडर) आवंटन की मांग भी की, ताकि आपदा प्रबंधन कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था मुख्यतः पर्यटन पर आधारित है, जिसमें धार्मिक और साहसिक पर्यटन का बड़ा योगदान है। चारधाम यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि राज्य की आर्थिक गतिविधियों का भी प्रमुख आधार है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मुख्यमंत्री द्वारा रखे गए सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया और राज्य के हितों के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

## राघव चड्ढा बोले- पार्टी बन गई 'टॉक्सिक', भाजपा में शामिल होने के बाद आप पर हमलावर हुए

चंडीगढ़, (एजेंसी)। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। राज्यसभा सांसद चड्ढा ने अपने पहले वीडियो संदेश में आप को ☠टॉक्सिक वर्क एन्वॉयरमेंट☠ वाली पार्टी बताते हुए आरोप लगाया कि अब यह चंद भ्रष्ट और समझौता करने वाले लोगों के हाथों में सिमट गई है। आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी में काम करने और अपनी बात रखने की स्वतंत्रता नहीं रह गई थी। उनके अनुसार, कुछ लोग व्यक्तिगत फायदे के लिए फैसले ले रहे हैं, जिससे पार्टी अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं, लेकिन अब आप वैसी नहीं रही, जैसी इसे शुरू किया गया था। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कुल सात सांसदों ने पार्टी छोड़ी है, तो क्या सभी गलत हो सकते हैं। चड्ढा ने कहा कि उनके सामने तीन विकल्प थे, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने पार्टी छोड़ना ही उचित समझा। इस बीच सोमवार को राज्यसभा ने आप के सात सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, विक्रमजीत साहनी, हरभजन सिंह, डॉ. संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता अब आधिकारिक रूप से भाजपा के सांसद बन गए हैं। इस घटनाक्रम के बाद राज्यसभा में भाजपा की ताकत बढ़कर 113 सांसदों तक पहुंच गई है, जो संसद के उच्च सदन में पार्टी की स्थिति को और मजबूत करता है।

## ट्रंप पर हमले की कोशिश पर भारत में सियासी उबाल, कांग्रेस विधायक ने कहा- ये तो होना ही था

**मुंबई (एजेंसी)।** अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित व्हाइट हाउस संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुई गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर को चौंका दिया है। इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के बीच भारत में महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार के एक विवादित बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। वडेट्टीवार ने ट्रंप पर हुए हमले को जैसी करनी वैसी भरनी करार देते हुए कहा कि उन पर गोलियां चलनी ही थीं।

कांग्रेस विधायक ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि ट्रंप दुनिया में अपना दबदबा बनाना चाहते थे और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने भारत की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि यहां भी लोगों की भावनाएं कुछ ऐसी ही हैं। वडेट्टीवार के मुताबिक, चूंकि भारत में लोग अभी बाहर नहीं आ रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब ठीक है, लेकिन जनता के मन में यह भावना घर कर गई है कि देश को तबाह किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन घटना की निंदा करते हुए यह भी जोड़ दिया कि उच्च पद पर बैठे व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था।

उधर, अमेरिका में हुई इस घटना के विस्तृत ब्योरे सामने आए हैं। शनिवार रात करीब 8:34 बजे जब वॉशिंगटन हिल्टन में मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था, तभी अचानक गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। उस वक्त ट्रंप एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग और मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन के साथ बातचीत कर रहे थे। स्थिति भांपते ही खुफिया सेवा (सीक्रेट सर्विस) के जवानों ने तुरंत सुरक्षा घेरा बनाया और राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने कैलिफोर्निया के एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि एलन ट्रेन से कैलिफोर्निया से वॉशिंगटन आया था और समारोह वाले होटल में ही ठहरा था। ट्रंप ने कहा कि आरोपी प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था और उसके परिवार ने पहले ही सुरक्षा एजेंसियों को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचित किया था। आरोपी को सोमवार को अमेरिकी न्याय विभाग के समक्ष आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

# न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता पर नहीं रहा केजरीवाल को भरोसा कहा- अब सत्याग्रह के मार्ग पर चलूंगा

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को एक बेहद भावुक और कड़ा पत्र लिखकर न्यायिक प्रक्रिया से खुद को अलग करने का ऐलान किया है। केजरीवाल ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से अब उन्हें न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं बची है, इसलिए उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया है।

केजरीवाल ने अपने पत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वह अब इस मामले में न तो व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष पेश होंगे और न ही अपने वकीलों के माध्यम से कोई पेशी कराएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह अदालत की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनेंगे, लेकिन जस्टिस स्वर्ण कांता के किसी भी फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने का अपना कानूनी अधिकार सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा अवश्य खटखटाएंगे।

बता दें कि बीते 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत ने आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के न्यायाधीश पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, और न्यायाधीश किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं। इससे पहले, केजरीवाल ने अदालत में स्वयं जिरह करते हुए न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि न्यायाधीश कथित तौर पर एक विशेष विचारधारा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल रही हैं, जिससे उन्हें डर है कि उनके साथ निष्पक्ष न्याय नहीं होगा। इसके अलावा, अदालत ने केजरीवाल की जिरह से जुड़े एक वायरल वीडियो को भी सोशल मीडिया से तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में केजरीवाल के साथ-साथ कुछ अन्य नेताओं और पत्रकारों के खिलाफ भी जनहित याचिका दायर की गई थी, जिस पर हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। केजरीवाल के इस सत्याग्रह वाले फैसले ने अब कानूनी और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

## मायावती ने तीन बड़े नेताओं को पार्टी से निकाला, बसपा में मची हलचल

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती के एक फैसले से पार्टी में उथल-पुथल मची दी है। मायावती ने पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ऐसे में जब फरवरी 2027 में चुनाव होने है मायावती के इस फैसले से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में असंतोष है। मायावती ने जिन तीन नेताओं को पार्टी से बाहर किया है, उनका पश्चिम यूपी में अच्छा दबदबा है। जानकारों का कहना है कि इस फैसले से विशेष रूप से पश्चिमी यूपी में बसपा की पकड़ कमजोर हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मायावती ने जिन तीन नेताओं को बाहर किया है, उसमें धर्मवीर अशोक, जयप्रकाश और सरफराज रैन शामिल हैं। धर्मवीर अशोक बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम के करीबी साथियों में गिने जाते थे। मायावती ने उन्हें कई राज्यों में जिम्मेदारी दी थी। पश्चिमी यूपी सहित कई इलाकों में उनकी अच्छी पकड़ और लोकप्रियता थी। कहा जा रहा है कि उनका अचानक पार्टी से निकाला जाना कार्यकर्ताओं को रास नहीं आ रहा है। उसी तरह जयप्रकाश काफी समय बाद बसपा में वापस लौटे थे और पश्चिमी यूपी में युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे थे। एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी को पश्चिमी यूपी के मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने से जुड़े विवाद के चलते उन पर कार्रवाई हुई। वहीं सरफराज रैन भी टिकट वितरण और संगठन से जुड़े कामों में सक्रिय थे। इन तीनों नेताओं की बर्खास्तगी से पार्टी की चुनावी तैयारियों पर असर डाल सकती है।

## सात सांसदों के आने से बढ़ेगी राज्यसभा में एनडीए की ताकत, लेकिन संवैधानिक संशोधनों के लिए अभी भी संख्या कम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद विपक्ष के लिए मुश्किलें खड़ी होती नजर आ रही हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक के नेतृत्व में इन सांसदों ने अयोग्यता का सामना किए बिना बीजेपी में विलय के लिए आवश्यक जादुई दो-तिहाई बहुमत पा लिया। इस बीच अब इस उलटफेर से राज्यसभा में एनडीए और बीजेपी का समीकरण मजबूत होता दिख रहा है।

बड़े पैमाने पर सांसदों के इस्तीफे से पहले, राज्यसभा में भाजपा की संख्या करीब 106 थी, जबकि एनडीए के पास करीब 121 सदस्य थे। राघव चड्ढा, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी और राजेंद्र गुप्ता सहित आप सेवन के शामिल होने से भाजपा की व्यक्तिगत संख्या बढ़कर 113 हो गई है। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि एनडीए की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। 243 सदस्यों वाली सदन में बहुमत के लिए 122 सीटों की जरुरत है। 128 सीटों के साथ एनडीए को साधारण बहुमत आसानी से मिल जाएगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है; कांग्रेस के एकदलीय वर्चस्व के युग के बाद पहली बार सत्ताधारी गठबंधन को विवादास्पद सामान्य कानूनों को पारित करने के लिए तटस्थ क्षेत्रीय दलों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि साधारण बहुमत रोजमर्रा के शासन के लिए बड़ी जीत है, लेकिन भारतीय संसदीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत है। 245 सदस्यों वाले पूर्ण सदन के लिए, यह अति-बहुमत 164 वोटों का है। आम आदमी पार्टी के सांसदों के दल-बदल से मिली अप्रत्याशित जीत के बावजूद, एनडीए को इस लक्ष्य से 36 सीटें कम रहेगी। इस अंतर का अर्थ यह है कि जहां सरकार अब सामान्य विधेयकों को आसानी से पारित कर सकती है, वहीं एक राष्ट्र, एक चुनाव ढांचा या परिसीमन प्रक्रिया में औपचारिक बदलाव जैसे बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों के लिए भाजपा को अभी भी गुटनिरपेक्ष दलों के साथ संबंध सुधारने होगा या भविष्य के द्विवार्षिक चुनावों का इंतजार करना होगा।

# आंध्र प्रदेश में ईंधन संकट को लेकर मुख्यमंत्री नायडू ने की समीक्षा बैठक

### -अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी से बढ़ी मांग, स्थिति चिंताजनक

**अमरावती (एजेंसी)।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हाल के दिनों में ईंधन की भारी मांग और अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी के चलते राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे स्थिति चिंताजनक बन गई है। अधिकारियों के अनुसार, ईंधन की आपूर्ति में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, लेकिन इसके बावजूद अचानक बढ़ी मांग के कारण बिक्री में असामान्य उछाल दर्ज किया गया है। इस वजह से कई बिक्री केंद्रों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है और कुछ पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अफवाहों और संभावित कमी की आशंका के चलते लोग बड़ी मात्रा में ईंधन खरीद रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त कदम उठाए जाएं और आम जनता में किसी भी प्रकार की घबराहट न फैलने दी जाए।

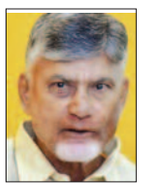

### मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में आई कठिनाई

समीक्षा के दौरान मत्स्य पालन क्षेत्र में ईंधन आपूर्ति को लेकर भी विशेष चिंता जताई गई। इस क्षेत्र में डीजल की खपत अधिक होती है और आमतौर पर इसे ड्रमों में खरीदा जाता है। वर्तमान स्थिति के कारण मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है।

### ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री नायडू ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे मत्स्य पालन और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम जनता और प्रमुख क्षेत्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

# क्या पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर विचार कर रही भारत सरकार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अगस्त 2024 से भारत में शरण ली हुई है, जब बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के चलते उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद बांग्लादेश और भारत के रिश्ते तनावपूर्ण हुए, जिसकी एक अहम वजह शेख हसीना थी। बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की, लेकिन दिल्ली ने उस मांग को अनसुना कर दिया। बांग्लादेश में इस साल तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार बनने के बाद भारत ने 17 अप्रैल को माना है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर विचार हो रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध की समीक्षा करने पर भारत की सहमति लचीलेपन का संकेत दे रही है। जानकारों का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि नई दिल्ली ने शेख हसीना को ढाका को सौंपने की तैयारी कर ली है। हालांकि यह घोषणा भारत के पहले के टालमटोल वाले रवैये से बड़ा बदलाव है। इसमें दिल्ली की ढाका से बेहतर रिश्ते की कोशिश दिखती है।

जानकार कहते हैं, भारत का शेख हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध की समीक्षा अभी केवल प्रक्रियात्मक भाषा है। सरकारें अक्सर बिना पक्का वादा किए अपनी खुलेपन की भावना को दिखाने के लिए भाषा का इस्तेमाल करती हैं। यह लचीला रुख दिखाता है लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भारत उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। एक अन्य जानकार ने कहा कि हसीना का प्रत्यर्पण कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक मुद्दा है। इसलिए इस द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाना चाहिए। भारत ने यह संकेत दिया है कि वह दोनों देशों के बीच मौजूद कुछ राजनीतिक मुद्दों को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहता है।

बांग्लादेश प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 के तहत भारत को औपचारिक अनुरोध भेजेगा। दिल्ली के इस अनुरोध की समीक्षा करने के बाद अदालत यह जांच करेगी कि क्या इस मामले में कोई वैध कानूनी आधार है। हसीना अदालत में इस अनुरोध को चुनौती भी दे सकती हैं। भारत का लंबे समय का लक्ष्य हसीना की अवामी लीग को फिर से मजबूत करना था और इस कोशिश में पार्टी की नेता ने अहम भूमिका निभाई। हसीना को ढाका के हवाले कर दिया जाता है, तब इसका सीधा मतलब अवामी लीग का खात्मा होगा। हसीना दिल्ली के लिए एक रणनीतिक संपत्ति बनी रह सकती हैं। हसीनी खासतौर से तब भारत के लिए अहम होंगी, जब बीएनपी सरकार के भारत-विरोधी रवैया अपनाने की कोशिश करेगी। शेख हसीना 1981 से अवामी लीग की अध्यक्ष रही हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2009 से लेकर 2024 में उन्हें सत्ता से हटाए जाने तक लगातार शासन किया।

# जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान राजस्व विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य तथा निर्माण विभाग से संबंधित अनेक शिकायतें और प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जनता दर्शन कार्यक्रम की निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से की जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक कार्यदिवस सुबह 10 बजे से 12 बजे तक जन शिकायतें सुनें और जूम के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध रहें।

जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया। साथ ही, संबंधित अधिकारियों से जूम के जरिए संपर्क कर उन्हें शिकायतों की जानकारी देते हुए शीघ्र और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कुछ जरूरतमंद लोगों के राशन कार्ड के लिए भी आवेदन कराए गए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर) विकास कश्यप भी मौजूद रहे।

# आरटीई योजना : चयनित बच्चों के दाखिले को लेकर सख्ती, चार दिन में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आरटीई (शिक्षा का अधिकार) योजना के अंतर्गत चयनित बच्चों के दाखिले को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन विद्यालयों को तलब किया गया, जो सत्र 2026 में चयनित बालक-बालिकाओं को प्रवेश देने में आनाकानी कर रहे थे और अभिभावकों को अनावश्यक रूप से परेशान कर रहे थे।

बैठक के दौरान अभिभावकों की उपस्थिति सुनिश्चित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। समीक्षा में ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल और रैली इंटरनेशनल स्कूल द्वारा सभी चयनित बच्चों के प्रवेश पूर्ण किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं, कुछ विद्यालय संचालकों के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी द्वारा नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों ने सभी संबंधित विद्यालयों को कड़े निर्देश दिए कि चार दिनों के भीतर शत-प्रतिशत चयनित बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए प्रक्रिया में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और डीसी सामुदायिक सहभागिता सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# जनसेवा, अनुशासन व तकनीकी दक्षता पर एसएसपी ने दिया जोर

**मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने प्रशिक्षण पूर्ण कर जनपद में नवीन तैनाती प्राप्त महिला आरक्षियों को रिजर्व पुलिस लाइन के बहुउद्देश्यीय हॉल में संबोधित किया। विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में कठोर एवं सुनियोजित प्रशिक्षण के बाद नियुक्त हुई महिला आरक्षियों को उन्होंने कर्तव्यों का निष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी से पालन करने के लिए प्रेरित किया। एसएसपी ने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त माध्यम है, जिसमें प्रत्येक पुलिसकर्मी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आमजन के साथ विनम्र व्यवहार, समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनने और उनका त्वरित समाधान करने पर बल दिया। साथ ही महिला अपराधों के प्रति विशेष सतर्कता और पीड़ितों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों की भूमिका समाज में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा तथा विश्वास को मजबूत करने में अहम है। अपने आचरण और कार्यशैली से पुलिस की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करना उनकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को प्राथमिकता बताया। आधुनिक पुलिसिंग पर जोर देते हुए एसएसपी ने महिला आरक्षियों को कंप्यूटर कार्यों, पुलिस पोर्टलों, डेटा एंट्री, रिकॉर्ड अपडेट और ऑनलाइन रिपोर्टिंग में दक्षता हासिल करने के निर्देश दिए। साथ ही यक्ष एप सहित अन्य उपयोगी एप्लीकेशनों के प्रभावी इस्तेमाल की जानकारी दी, जिससे फील्ड ड्यूटी अधिक सुगम और पारदर्शी बन सके। साइबर अपराधों के प्रति सजगता, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग, सतर्कता और टीम वर्क पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने महिला आरक्षियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपेक्षा जताई कि वे अपनी कर्तव्यनिष्ठा और परिश्रम से जनपद पुलिस की कार्यशैली को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाएंगी। इस दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ मिश्रा और क्षेत्राधिकारी जानसठ ऋषिका सिंह मौजूद रहीं।

# एसडी कॉलेज में एआई व डेटा साइंस कार्यशाला सम्पन्न, माइक्रोसॉफ्ट ने दिए प्रमाण पत्र

**मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** जानसठ रोड स्थित एसडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा साइंस विषय पर स्किल इंडिया के अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन हुआ। कार्यशाला में 50 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम को रोचक एवं ज्ञानवर्धक बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां और प्रदर्शन सत्र आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों से परिचित कराना और उनके महत्व को समझाना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को एआई और डेटा साइंस के मूलभूत सिद्धांत, व्यावहारिक उपयोग तथा करियर संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कॉलेज के अनुभवी शिक्षकों ने मार्गदर्शन प्रदान कर विषयों को सरल और समझने योग्य बनाया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने जेमिनी एआई प्रॉम्प्ट के माध्यम से सरल गेम तैयार करना सीखा, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव मिला।

कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सचिव अनुभव कुमार ने विद्यार्थियों को नई तकनीकों को अपनाने और निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। निदेशक डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि संस्थान एआई और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है तथा शीघ्र ही अंतरराष्ट्रीय एआई एवं डेटा साइंस समिट का आयोजन भी करेगा।

## गौ हत्या बंद हो, गोवंश को सम्मान व संरक्षण मिले : गढ़मुक्तेश्वर में सैकड़ों गोभक्तों का आह्वान

**गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)।** ब्रजघाट स्थित श्री संतोषी बाबा की गौशाला में आयोजित गोसेवा सम्मान आह्वान अभियान के तहत सैकड़ों संत, गौसेवक और श्रद्धालु एकत्र हुए। कार्यक्रम में गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने तथा गोवंश की सुरक्षा और सेवा को सशक्त बनाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इस दौरान उपस्थित गोभक्तों ने गढ़ क्षेत्र के विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया के साथ मिलकर उपजिलाधिकारी गढ़ श्रीराम यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सरकार से मांग की गई कि गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए और गोवंश के संरक्षण, चिकित्सा एवं पालन के लिए ठोस और प्रभावी व्यवस्थाएं लागू की जाएं। सभा में पूर्व विधायक कमल सिंह मलिक सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान है और उसकी रक्षा करना समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से अपील की कि गोसेवा को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीति बनाई जाए और गौशालाओं को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। कार्यक्रम में यह भी उल्लेखनीय रहा कि इस मांग को विभिन्न समुदायों के लोगों का समर्थन मिला, जिससे सामाजिक एकता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश सामने आया। अंत में सभी ने एक स्वर में गोसंरक्षण के लिए जनजागरण अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

## वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ एक और गुलदार

**नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)।** ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार रंग लाई, जब वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक और गुलदार कैद हो गया। पकड़े गए गुलदार को वन विभाग की टीम ने अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित रूप से कृषि विज्ञान केंद्र (धान फार्म) में रख दिया है। अब विभाग उसे चिड़ियाघर भेजने की तैयारी कर रहा है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम कठेर के जंगलों में बीते कई महीनों से गुलदार का एक जोड़ा सक्रिय था। यह गुलदार आसपास के करीब दर्जन भर गांवों में दहशत का कारण बना हुआ था और कई पालतू कुत्तों को अपना शिकार बना चुका था। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि ग्रामीण खेतों में काम करने के लिए समूह बनाकर जाने लगे थे और शाम ढलते ही गांवों में कर्फ्यू जैसा माहौल बन जाता था। ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग ने पवन कुमार के खेत में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। सोमवार तड़के खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने देखा कि एक गुलदार पिंजरे में कैद है। यह खबर फैलते ही मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और गुलदार को सुरक्षित तरीके से कब्जे में लेकर नगीना कोतवाली मार्ग स्थित कृषि विज्ञान केंद्र ले जाया गया।

वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार के अनुसार, पकड़ा गया गुलदार मादा है। उसे कहां भेजा जाएगा, इसका निर्णय लखनऊ से उच्च अधिकारियों के निर्देश मिलने के बाद लिया जाएगा। फिलहाल क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है, हालांकि दूसरे गुलदार के पकड़े जाने का इंतजार अभी भी बना हुआ है।

## वेशभूषा प्रतियोगिता से निखरा बच्चों का आत्मविश्वास

**शामली। (शिखर समाचार)** शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर शिशु वाटिका में विद्यालय स्तर पर वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता, अनुशासन और आत्मविश्वास की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सुसज्जित वेशभूषा और प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया।

प्रधानाचार्या पल्लवी ऐरन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ और सलीकेदार वेशभूषा व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है। इससे न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि अनुशासन और सकारात्मक सोच का भी विकास होता है। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल में शामिल ऋचा संगल, रमा शर्मा और मांगे राम शर्मा द्वारा किया गया।

परिणामों में कक्षा प्रथम से कनक शहरावत ने प्रथम, अविका भारद्वाज ने द्वितीय और भरत सिंह मलिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा द्वितीय में माधव गिरधर प्रथम तथा अनिरुद्ध लोहान द्वितीय स्थान पर रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में बिंदिया बिंदल, प्रियंका, स्वाति बंसल, स्वाति जैन, मीनाक्षी शर्मा, सोनी, रूबी, काजल, नीतू, रुचि और दीपा का विशेष सहयोग रहा।

## लिसाढ़ क्षेत्र में डिग्री कॉलेज की मांग तेज, केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

**शामली (शिखर समाचार)।** जनपद के ग्राम लिसाढ़ (गठवाला खाप) सहित आसपास के 15 से 20 गांवों के विद्यार्थियों की लंबे समय से चली आ रही उच्च शिक्षा की समस्या को लेकर उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ, जिला इकाई शामली ने आवाज बुलंद की है। संघ के जिलाध्यक्ष रविंद्र मलिक के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी को ज्ञापन सौंपकर डिग्री कॉलेज की स्थापना की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में अब तक कोई सह-शिक्षा डिग्री कॉलेज नहीं है। इसके कारण विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं, को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ शहरों जैसे शामली और बड़ौत जाना पड़ता है। दूरी अधिक होने और आवागमन की कठिनाइयों के चलते अनेक छात्र छात्राएं इंटरमीडिएट के बाद ही पढ़ाई छोड़ने को विवश हो जाते हैं, जिससे क्षेत्र में शिक्षा का स्तर प्रभावित हो रहा है।

संघ ने मांग की है कि ग्राम लिसाढ़ में शीघ्र एक डिग्री कॉलेज की स्थापना कराई जाए, ताकि हजारों विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च शिक्षा की सुविधा मिल सके। इस संबंध में जिलाध्यक्ष रविंद्र मलिक ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि वे इस विषय को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष उठाकर समस्या का समाधान कराने का प्रयास करें।

इस दौरान विकास मलिक, सतीश मलिक, अमित मलिक, वीरेन्द्र मलिक सहित शिक्षक संघ के पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय नागरिक भी मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर में डिग्री कॉलेज की स्थापना की मांग का समर्थन किया।

## इंटरनेशनल ओलंपियाड में सीआईपी एबैकस के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

**शामली (शिखर समाचार)।** सीआईपी एबैकस इंटरनेशनल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल अबैकस ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई ट्रॉफियां अपने नाम कीं। 12 अप्रैल को आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता में बच्चों ने मात्र तीन मिनट में 120 प्रश्न हल कर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता में पिहू सरोहा और अथर्व पाल ने 300 में से 300 अंक प्राप्त कर चैम्पियन ऑफ चैम्पियन ट्रॉफी हासिल की। इसके अलावा अर्नव संगल, अनमोल जैन, सिद्धार्थ गोयल, विदूषी पवार और अर्चित तरार समेत 57 विद्यार्थियों ने चैम्पियन ऑफ चैम्पियन, 26 ने चैम्पियन तथा 26 विद्यार्थियों ने फर्स्ट रनर अप ट्रॉफी जीती। संस्थान की डायरेक्टर डॉ. मृदुला जैन ने बच्चों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत, एकाग्रता और अनुशासन का परिणाम है। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों की स्नातक उपाधि समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी सफल छात्रों को सम्मानित किया गया।

## गोमाता को राष्ट्र माता घोषित कराने की मांग को लेकर निकाली गई रैली, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

**गंगोह/सहारनपुर (शिखर समाचार)।** हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ के तत्वावधान में गोमाता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने की मांग को लेकर अनाज मंडी से एक भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और युवाओं ने भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। रैली को मुख्य अतिथि महंत राम विशाल दास और रोहित प्रधान ने ध्वज दिखाकर रवाना किया। 2ए बाइकों पर सवार कार्यकर्ता गंगोह से निकलकर विभिन्न गांवों से होते हुए नकुड़ पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह रैली का भारत माता और गोमाता के जयकारों के साथ स्वागत किया गया। नकुड़ पहुंचकर कार्यकताओं ने एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गोमाता को विधिवत राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, परंपरा और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक हैं, इसलिए उन्हें राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाना चाहिए। रैली के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। ज्ञापन पर रोहित प्रधान, संदीप कुमार और आर्यन कुमार के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

# जीडीए का बड़ा एक्शन : रजापुर में 250 वर्गमीटर में हो रहा अवैध निर्माण ध्वस्त

**आरव शर्मा**

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनाधिकृत कालोनियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने जोन 04 के अंतर्गत रजापुर इलाके में चल रहे अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया।

**कार्टे चौक के पास की कार्रवाई**

प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने रजापुर, महेन्द्रा एन्कलेव स्थित कार्टे चौक के पास खसरा संख्या 1033 पर यह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। यहाँ मुकेश कुमार और रामवीर सिंह द्वारा लगभग 250 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध निर्माण किया जा रहा था। जीडीए उपाध्यक्ष के सख्त निदेर्शों के बाद, प्रभारी प्रवर्तन जोन 04 के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को जमींदोज कर दिया।

**विरोध के बावजूद जारी रही कार्रवाई**

ध्वस्तीकरण के दौरान मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। स्थानीय निर्माणकताओं और कुछ लोगों ने प्राधिकरण की टीम का कड़ा विरोध किया और कार्रवाई रोकने का प्रयास किया। हालांकि, वहां तैनात प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया और भारी विरोध के बावजूद ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को पूरा किया।

**अधिकारियों की रही उपस्थिति**

इस पूरी कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस बल और प्राधिकरण का सुरक्षा दस्ता तैनात रहा। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता और विभाग के तमाम सुपरवाइजर व मेट मौजूद रहे। जीडीए की इस सख्त कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया है।

# स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 : ईओ विकास कुमार का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट व एसटीपी पर औचक निरीक्षण

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद बिजनौर ने गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को अधिशासी अधिकारी (ईओ) विकास कुमार ने टीम के साथ शहर की सफाई व्यवस्था और विभिन्न प्लांटों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी गई।

ईओ विकास कुमार सबसे पहले गांव गंगदासपुर स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट और सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) पहुंचे। यहां उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया और जल शोधन व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने शहर में संचालित सार्वजनिक शौचालयों और आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल) सेंटर का भी जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर कमियां पाए जाने पर ईओ ने नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। सफाई व्यवस्था, निर्माण कार्य और पेयजल आपूर्ति में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक हरीश गंगवार और एसबीएम लिपिक संदीप कुमार भी उपस्थित रहे। ईओ ने सभी टीमों को समन्वय के साथ कार्य कर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के निर्देश दिए।

## संक्षिप्त समाचार

### सिपाही पासिंग आउट परेड में बोले सीएम योगी, प्रदेश में खत्म हुआ माफियाराज

**लखनऊ , एजेंसी।** प्रदेश भर में रविवार को पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन और प्रशिक्षण केंद्रों पर एक साथ आरक्षी नागरिक पुलिस की पासिंग आउट परेड आयोजित हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली और नव आरक्षियों व उनके परिजनों को बधाई दी। उन्होंने बेटियों के प्रदर्शन की विशेष सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रशिक्षण के बाद यह बल तैयार हुआ है। सीएम बोले कि पुलिस बल को लेकर कहा जाता है कि ट्रेनिंग में जितना पसीना बहेगा, उतना कम खून बहेगा और अनुशासन पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में साइबर थाने स्थापित किए गए हैं और पीएसी की तीन महिला बटालियन गठित की गई हैं। सीएम ने कहा कि राज्य में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई हुई है, जिससे कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। सीएम ने कहा आज दंगे नहीं होते, माफिया राज खत्म हो गया है। पुलिस बल का मनोबल ऊपर है।

### एक्सईएन समेत निगम के तीन इंजीनियर भ्रष्टाचार के दोषी

**आगरा, एजेंसी।** हेमा पेट्रोल पंप से पश्चिमपुरी के बीच सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार के मामले में नगर निगम के तत्कालीन अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) रविंद्र कुमार सिंह, सहायक अभियंता (एई) एसएन सिंह और अवर अभियंता (जेई) पवन कुमार जांच में दोषी मिले हैं। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने तीनों अभियंताओं और ठेकेदार फर्म के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की है। इस सड़क के निर्माण में हुए घोटाले का 23 नवंबर 2025 के अंक में घोटाला...53 लाख में बननी थी सड़क, खर्च किए एक करोड़ शीर्षक से खबर प्रकाशित कर खुलासा किया था। इसके बाद महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह ने पार्षदों व अधिकारियों की जांच कमेटी बनाकर प्रारंभिक जांच कराई। जांच में मामला सही मिलने पर महापौर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शासन के निर्देश पर नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने जांच कराई जिसमें एक्सईएन, एई और जेई और वर्क सुपरवाइजर दोषी पाए गए हैं। नगर आयुक्त द्वारा कराई गई तकनीकी जांच में सामने आया कि अधिकारियों ने भ्रामक तथ्य प्रस्तुत कर स्वीकृत कार्यस्थल से करीब एक किमी दूर 25 मीटर सड़क का निर्माण करा दिया। साथ ही, निर्माण की गुणवत्ता भी मानक के अनुरूप नहीं मिली। इस गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितता पर नगर आयुक्त ने शासन को पत्र लिखकर तत्कालीन एक्सईएन रविंद्र कुमार सिंह, एई एसएन सिंह और जेई पवन कुमार के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की है। जांच के बाद नगर आयुक्त ने कार्यदायी फर्म मैसर्स अक्षत कंस्ट्रक्शन और मैसर्स एस.के. विरानी पर अर्थदंड लगाया है। साथ ही संतोषजनक सुधार न होने पर उन्हें काली सूची में डालने की चेतावनी दी गई है।

### परंपरागत एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों का समन्वय आवश्यक

**मेरठ , एजेंसी।** सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एग्रीविजन द्वारा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लिए दो दिवसीय सम्मेलन शुरू हुआ। इसका विषय परंपरागत एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों का समन्वय है। सांसद अरुण गोविल और मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कुलपति त्रिवेणी दत्त ने विकसित उत्तर प्रदेश 2047 की परिकल्पना के लिए इस समन्वय को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा, ऊर्जा और नवाचार की प्रेरणा देते हैं। अरुण गोविल ने भारत की समृद्ध कृषि परंपरा को संरक्षित रखने पर जोर दिया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन, स्मार्ट फार्मिंग और कृषि विविधीकरण के उपयोग का आह्वान किया। इससे उत्पादन और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। उन्होंने किसानों को पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के संतुलन के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। कपिल देव अग्रवाल ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाकर गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उत्पादन करने को कहा। तकनीकी समावेश से खेती अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनती है। उद्यानिकी आयुक्त प्रभात कुमार ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उत्पादकता बढ़ाने के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित ऑयल सीड मिशन और दलहन उत्पादन मिशन का जिक्र किया। इन योजनाओं के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को कृषि की आधारशिला बताया। उपमहानिदेशक परमिंदर सिंह ने वर्तमान समय में कृषि विविधीकरण को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ बागवानी, दुग्ध उत्पादन, मशरूम, मत्स्य पालन एवं पशुपालन अपनाने की सलाह दी। इससे उनकी आय में वृद्धि हो सकेगी। उपमहानिदेशक सुधाकर पांडेय ने देश की खाद्यान्न सुरक्षा में उद्यानिकी फसलों के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र के विस्तार के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

# काशी में अब तक का सबसे लंबा 14 किमी का रोड शो करेंगे प्रधानमंत्री

**वाराणसी, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी में अब तक का सबसे लंबा करीब 14 किलोमीटर रोड शो करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने 23 मई 2024 को बीएचयू से दशाश्वमेध तक पांच किलोमीटर लंबा रोड शो किया था। प्रधानमंत्री ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी रोड शो किया था लेकिन रूट इतना लंबा नहीं था।

प्रधानमंत्री दो दिवसीय दौरे पर 28 अप्रैल को काशी आ रहे हैं। पहले दिन बरेका में 40 हजार महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे। जनसभा करके विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। 29 अप्रैल की सुबह नौ बजे श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 18 जून 2024 को श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन किए थे। यानी एक साल दस महीने बाद श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे।

प्रधानमंत्री 29 अप्रैल की सुबह आठ बजे बीएलडब्ल्यू से मंडुवाडीह, लहरतारा होकर पुलिस लाइन चौराहा जाएंगे, फिर लहुराबीर से मैदागिन चौराहा होकर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक रोड शो करेंगे। यह रास्ता करीब एक घंटे में तय होगा। प्रधानमंत्री का शहर के पांच स्थानों पर स्वागत किया जाएगा। हर स्थान पर करीब तीन हजार लोगों की मौजूदगी रहेगी।

### एयरपोर्ट पर एएसएल की बैठक में सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर

सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट पर एसपीजी ने स्थानीय पुलिस व जिला प्रशासन के साथ एएसएल की उच्चस्तरीय बैठक कर सुरक्षा तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बरेका परिसर तक करीब 25 किलोमीटर लंबे रूट का निरीक्षण किया गया।

### 40 हजार महिलाओं के लिए बरेका में जर्मन हैंगर तकनीक से तैयार हो रहा पंडाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को ध्यान में रखकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पूरे शहर को चमकाने का काम प्रशासन कर रहा है। बरेका में जर्मन हैंगर तकनीक से पंडाल तैयार किया जा रहा है। केसरिया रंग से पूरे पंडाल को सजाया जा रहा है।

गर्मी को ध्यान में रखते हुए ऊंचाई के साथ-साथ यहां एसी, कूलर और पंखों का पर्याप्त इंतजाम किया जा रहा है। 40 हजार महिलाओं के बैठने की व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके लिए आठों विधानसभाओं को लक्ष्य दिया गया है। जगह-जगह हो रही पेंटिंग के तहत बरियासनपुर के डॉ. शशिकांत सिंह पीजी कॉलेज की छात्राएं बैरिकेडिंग पर महाराष्ट्र की लोककला 'वर्ली' से संबंधित चित्र बना रही हैं।

### एसपीजी पहुंची... संभाली बरेका और एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था

प्रधानमंत्री मोदी के 28 अप्रैल को प्रस्तावित दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। एसपीजी की टीम ने शहर में डेरा डाल दिया है। एसपीजी अधिकारियों ने सबसे पहले बरेका ग्राउंड, जहां पीएम की सभा होनी है, वहां पहुंचकर निरीक्षण किया। इसके बाद गेस्ट हाउस की गहन जांच की। इस बाबत पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि टीम ने लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और प्रस्तावित रोड मार्गों का भी गहन निरीक्षण किया।

### पीएम 6269 करोड़ की 160 योजनाओं की देंगे सौगात

प्रधानमंत्री 6269.86 करोड़ की 160 योजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 1052.89 करोड़ की 48 योजनाओं का लोकार्पण और 5216.17 करोड़ की 112 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। प्रमुख परियोजनाओं में 15 किमी गंगा पर नया रेल-सड़क पुल, रामनगर में पेयजल, सीवर नेटवर्क, 500 बेड मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण, 23 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, बीएचयू जी+4 हॉस्टल, हिंदी संस्थान भवन व छात्रावास का निर्माण, अस्सी, दशाश्वमेध की योजनाएं शामिल हैं।

### यहां होगा स्वागत

बनारस रेलवे स्टेशन के सामने, पुलिस लाइन चौराहा, लहुराबीर चौराहा, मैदागिन चौराहा, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, पीएम नरेंद्र मोदी का पांच स्थानों पर स्वागत किया जाएगा। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बीएलडब्ल्यू से श्रीकाशी विश्वनाथ धाम तक रूट को सजाया गया है।

### आखिरी कॉल लखनऊ के बिजनेस पार्टनर की थी...मौत की गुत्थी उलझी

**गोरखपुर , एजेंसी।** टेंट कारोबारी और गोरखपुर क्लब संचालक अंबरीश श्रीवास्तव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की गुत्थी अभी उलझी हुई है। मामले की जांच अब कॉल डिटेल और फॉरेंसिक साक्ष्यों पर केंद्रित हो गई है। पुलिस की प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि घटना से पहले अंबरीश ने तीन करीबी लोगों से बातचीत की थी, जिनमें एक लखनऊ का ठेकेदार भी शामिल है। उसे उनका कारोबारी साझेदार बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इसी कारोबारी साझेदार से उनकी आखिरी बार मोबाइल फोन पर बात हुई थी।

जानकारी के अनुसार, अंबरीश ने घटना वाले दिन सुबह पत्नी समेत करीब पांच लोगों से संपर्क किया था। इनमें तीन करीबी थे। पुलिस अब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के जरिये बातचीत का समय, अवधि और संभावित विषय समझने में जुटी है ताकि घटना से पहले की परिस्थितियों की कड़ियां जोड़ी जा सकें। जिन लोगों से आखिरी बार अंबरीश की बात हुई है, पुलिस उनसे पूछताछ करेगी।

वहीं, परिवार जहां घटना को हादसा मान रहा है, वहीं पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ा रही है। बताया जा रहा है कि अंबरीश बृहस्पतिवार रात मुरादाबाद से लौटे थे और देर रात घर पहुंचे। शुक्रवार सुबह वह अपनी कार से कुसम्ही स्थित फार्म हाउस गए जहां गोली लगने से उनकी मौत हो गई।

घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच भी जारी है। खून के नमूने, पिस्टल की स्थिति और गोली के एंगल का विश्लेषण किया जा रहा है। शुरुआती जानकारी में पिस्टल चेक गणराज्य निर्मित बताई गई है, जिसकी तकनीकी जांच कराई जा रही है। इसके अलावा मुरादाबाद से लौटने के बाद उनकी गतिविधियों को खंगालने के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि जांच वैज्ञानिक तरीके से की जा रही है और किसी नतीजे पर पहुंचने में जल्दबाजी नहीं की जाएगी। जल्द ही पूरे मामले की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

**पहली बार 23 के पार न्यूनतम पारा**

# अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस

**वाराणसी, एजेंसी।** गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। दिन में तीखी धूप होने और गर्म हवाओं ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। इस बीच शनिवार को अधिकतम तापमान के 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद नया रिकॉर्ड बन गया। ऐसा छह साल बाद हुआ है जब अप्रैल में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके पहले 2019 में 45.3 था। हालांकि पहली बार न्यूतनम तापमान भी 23 के पार पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार अगले तीन-चार दिन तक मौसम ऐसे ही बने रहने के आसार हैं।

अप्रैल के दूसरे सप्ताह के बीतने के बाद से ही मौसम ने ऐसा करवट लिया है कि जिधर देखो उधर हर कोई गर्मी से बेहाल हो गया है। सुबह 10 बजे तक ही धूप इतनी तेज हो रही है कि बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। शनिवार को भी ऐसा ही मौसम रहा। धूप इतनी तेज थी कि गर्मी भी अन्य दिनों की तुलना में अधिक रही। रात में भी मौसम गर्म रहने की वजह

से बच्चों से लेकर बड़े तक गर्मी से बिलबिला गए।

शनिवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जो कि औसत से 5.3 अधिक रहा। न्यूनतम तापमान भी 23.5 रिकॉर्ड किया गया। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव के अनुसार गर्म पछुआ हवाओं की सक्रियता अभी बनी रहेगी। इसी वजह से गर्मी जस की तस बनी है। बताया कि चार-पांच दिन तक ऐसे ही मौसम बने रहने के आसार हैं।

### प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा बनारस

शनिवार को अधिकतम तापमान के 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने के बाद प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म शहर बन गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश मंप 47.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बांदा पहले नंबर पर रहा। 45.0 डिग्री सेल्सियस के साथ बनारस दूसरे, फुर्सतगंज 44 डिग्री सेल्सियस के साथ तीसरे, बाराबंकी 43.4 डिग्री सेल्सियस के साथ चौथे नंबर पर दर्ज किया गया।

### डॉक्टरों की सलाह-धूप में निकलें तो सिर ढका रहना जरूरी

इस सपताह के शुरूआत से तीखी धूप होने और तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी बने रहने का असर सेहत पर भी देखने को मिल रहा है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को जागरूक किया जा रहा हे। सीएमओ डॉ. राजेश प्रसाद का कहना है कि इस मौसम में शरीर में पानी और नमक की कमी की वजह से शरीर में खून का प्रवाह होने में भी परेशानी होती है।

हीट स्ट्रोक का भी खतरा रहता है। बताया कि दोपहर में जब भी धूप में निकलें तो सिर को ढककर निकलना चाहिए। इस मौसम में उल्टी, डायरिया, टायफायड, वायरल फीवर की समस्या बढ़ जाती है।

# बीएसएम स्कूल में इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा दिन जोश और रोमांच से भरपूर

**शामली। (शिखर समाचार)** शहर के बीएसएम स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा दिन सोमवार को उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, मैनेजर छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह और उप-प्रधानाचार्या आशु पंडित द्वारा किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के तहत विभिन्न हाउसों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में अवेंजर हाउस और वारियर हाउस आमने-सामने रहे। अवेंजर हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 52 रन बनाए। जवाब में वारियर हाउस की टीम 38 रन ही बना सकी,

जिससे अवेंजर हाउस ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दूसरे मैच में एक्सप्लोरर हाउस और इनोवेटर हाउस के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। एक्सप्लोरर हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 रन बनाए, जबकि इनोवेटर हाउस ने 40 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और जीत दर्ज की।

फाइनल मुकाबला इनोवेटर हाउस और अवेंजर हाउस के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा। अवेंजर हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 54 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इनोवेटर हाउस ने 55 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की और प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया।

वहीं, तृतीय स्थान के लिए एक्सप्लोरर हाउस और वारियर हाउस के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें वारियर हाउस ने 45 रन बनाकर जीत हासिल करते हुए तीसरा स्थान अपने नाम किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन से विद्यार्थियों में खेल के प्रति उत्साह देखने को मिला और पूरे विद्यालय में खेल भावना का वातावरण बना रहा।

# झुग्गी-झोपड़ी में रहने और ईंट-भट्टे में काम करने वाले बच्चों पर फोकस करेगी सरकार, एक मई से चलेगा अभियान

**लखनऊ, एजेंसी।** प्रदेश में एक अप्रैल से स्कूल चलो अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि 6 से 14 साल का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। उसका स्कूल में नामांकन हो और वह नियमित स्कूल जाए। इसी क्रम में 1 मई से प्रदेश में श्रमिक बस्तियों, ईंट-भट्ठों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को नामांकित किया जाएगा।

यह अभियान खास तौर पर आउट-ऑफ-स्कूल और ड्रॉपआउट बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने पर केंद्रित होगा। दिव्यांग बच्चों को स्पेशल एजूकेटर के सहयोग से चिन्हित कर उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं ड्रॉपआउट बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिलाया जाएगा।

बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि हर बच्चे का नामांकन सुनिश्चित कराया जाए।

स्कूल चलो अभियान के पहले चरण (1 से 15 अप्रैल) में 3 साल पूरा करने वाले बच्चों का आंगनबाड़ी-बाल वाटिका में नामांकन, 6 वर्ष के बच्चों का कक्षा-1 में और 7 से 14 साल के ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि अब दूसरे चरण में इसे और तेज करते हुए छूटे हुए बच्चों तक सीधी पहुंच बनाएं। साथ ही कक्षा 5 से 6, 8 से 9 और 10 से 11 तक 100 प्रतिशत ट्रांजिशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पढ़ाई बीच में न छूटे। आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में लॉटरी से चयनित बच्चों का शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराने पर भी विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कोई भी पात्र बच्चा प्रवेश से वंचित न रहे।

# विद्युत उपकेंद्र पर महिलाओं ने बोला हमला, पथराव और तोड़फोड़; जान बचाकर भागे कर्मचारी

**फिरोजाबाद, एजेंसी।** स्मार्ट मीटर के खिलाफ चल रहे विरोध ने शनिवार को हिंसक रूप ले लिया। ककरऊ कोठी विद्युत उपकेंद्र पर कश्यप नगर और झलकारी नगर की 300 से अधिक महिलाओं ने धावा बोल दिया। महिलाओं ने उपकेंद्र पर पथराव किया और कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की। बिजली कर्मचारियों को जान बचाने के लिए दफ्तर छोड़कर भागना पड़ा।

दोपहर 12 बजे सैकड़ों महिलाएं हाथों में डंडे और पत्थर लेकर उपकेंद्र पहुंची। महिलाओं ने कार्यालय की खिड़कियों के कांच तोड़ दिए और भीतर रखा सामान बाहर फेंक दिया। कुर्सियां और टेबल पलट दी गईं। इस दौरान उपकेंद्र पर तैनात कर्मचारी दहशत में आ गए। एक कर्मचारी ने तो खुद को कमरे में बनी एक स्लैब के नीचे छिपाकर जान बचाई। महिलाओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिल कई गुना अधिक आ रहे हैं। उनकी मांग थी कि इन मीटरों को तत्काल हटाया जाए और पुराने मीटर दोबारा लगाए जाएं। करीब दो घंटे तक उपकेंद्र पर हंगामा होता रहा। महिलाओं ने सड़क पर जाम लगाने का भी प्रयास किया।

**भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारी :** हंगामे की सूचना मिलते ही सीओ सिटी प्रवीण कुमार तिवारी और थाना उत्तर के इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ एसडीओ हरेंद्र सिंह भी उपकेंद्र पर आए। अधिकारियों ने आक्रोशित महिलाओं को समझाने का काफी प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी और अधिकारियों ने समस्या के

समाधान के आश्वासन के बाद महिलाएं शांत हुईं।

**खौफ के साये में बिजली कर्मचारी, उपकेंद्रों पर पुलिस तैनाती की मांग :** शहर में स्मार्ट मीटर के खिलाफ जनता का गुस्सा अब हिंसक रूप अख्तियार कर रहा है। एक के बाद एक विद्युत उपकेंद्रों पर हो रहे सुनियोजित हमलों ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को दहशत में डाल दिया है। ककरऊ कोठी उपकेंद्र पर शनिवार को तोड़फोड़ और पथराव के बाद अब कर्मचारी दफ्तर जाने से कतरा रहे हैं। विभाग ने अब सुरक्षा के लिए उपकेंद्रों पर स्थाई पुलिस बल तैनात करने की मांग उठाई है।

जनता का आक्रोश किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा है। शुक्रवार को इसी प्रकार सुहाग नगर उपकेंद्र को महिलाओं ने निशाना बनाया था और सड़क पर जाम लगाया था। शनिवार को ककरऊ कोठी उपकेंद्र पर 300 से अधिक महिलाओं ने हमला कर दिया। इन हमलों के अचानक और उग्र होने से बिजली कर्मियों में डर व्याप्त है। इन घटनाओं से प्रशासन के खुफिया तंत्र की नाकामी मानी जा रही है। खुफिया विभाग को इसका इनपुट क्यों नहीं मिला।

**कर्मचारी बोले- सुरक्षा नहीं तो काम नहीं :** उप्र पावर कॉर्पोरेशन निविदा कर्मचारी संघ के जोन महामंत्री महेश वर्मा का कहना है कि असुरक्षित माहौल में काम करना संभव नहीं है। जिला प्रशासन से मांग की है कि संवेदनशील उपकेंद्रों पर तत्काल पुलिस फोर्स तैनात किया जाए।

# बिसरख डूब क्षेत्र में अतिक्रमण पर चला बुल्डोजर, 25 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार को बिसरख के डूब क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुल्डोजर चलाया। इस दौरान करीब 25 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में अवैध कॉलोनी काटने और डूब क्षेत्र में निर्माण करने वालों पर सख्ती दिखाई गई। कालोनाइजरों द्वारा बाउंड्री बनाकर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी, जिसे ध्वस्त कर दिया गया।

प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने स्पष्ट किया कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से सत्यापन अवश्य कर लें, ताकि ठगी से बचा जा सके।

कार्रवाई के दौरान वर्क सर्किल-3 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, प्रबंधक प्रशांत समाधिया और उनकी टीम मौजूद रही। टीम ने खसरा संख्या 333 और 334 की जमीन पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी तिलपता, रोजा याकूबपुर, खेड़ा चौगानपुर और चिपियाना बुजुर्ग क्षेत्रों में अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलाया जा चुका है।

## गोवंश की रक्षा को लेकर जेवर में जुलूस, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

**जेवर (शिखर समाचार)।** सोमवार को जेवर में गोवंश की रक्षा और संरक्षण की मांग को लेकर एक विशाल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस दाऊजी मंदिर से सुबह लगभग 10:30 बजे शुरू हुआ, जो मुख्य बाजार, मुख्य चौराहा और झाझर रोड होते हुए तहसील परिसर पहुंचा।

जुलूस में शामिल लोगों ने गोवंश संरक्षण के समर्थन में नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचकर एसडीएम दुर्गेश सिंह को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। समाजसेवी सचिन जैन ने बताया कि भारतीय संस्कृति, अर्थव्यवस्था और मानव स्वास्थ्य में गाय का विशेष महत्व है, लेकिन वर्तमान समय में गोवंश को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

ज्ञापन के माध्यम से गोवंश की रक्षा, सेवा और संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। इस अवसर पर मनीष माहेश्वरी, मनीष मंगला, मनीष गोयल, संजू शर्मा, नीरज गोयल, दिलीप गोयल, रामकिशन, हितेंद्र जैन, गौरव जैन, दीपक शर्मा, केशव गर्ग, दिनेश कुमार, ठाकुर राजेश, राजू वर्मा, प्रदीप, किरण पाल, हरिओम वर्मा, रामावतार, अनिल, सुनील, स्वामी गोपाल आचार्य सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

## गो सम्मान अभियान के तहत राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा, केंद्रीय कानून और गो पालन मंत्रालय की मांग

**शामली। (शिखर समाचार)**

गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौ सेवकों ने सोमवार को एसडीएम सदर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में देशभर में अखिल वेदालक्षणा गोमाता की विधिवत सेवा, सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान सुनिश्चित करने हेतु केंद्रीय कानून बनाए जाने की मांग की गई। साथ ही, गो पालन मंत्रालय की स्थापना की आवश्यकता भी प्रमुख रूप से उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि गोमाता भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है और जब तक गोमाता सुरक्षित नहीं होगी, तब तक सांस्कृतिक पूर्णता अधूरी रहेगी। इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि प्रधानमंत्री द्वारा काशी विश्वनाथ धाम और महाकाल लोक जैसे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से देश की आध्यात्मिक धरोहर को सशक्त किया गया है। अब गोमाता को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान कर इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान को और मजबूती दी जा सकती है। गौ सेवकों ने वर्तमान में गोवंश की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि तस्करी, हत्या और सड़कों पर उनकी दयनीय हालत समाज के लिए पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि गोवंश की सुरक्षा और सम्मान के लिए ठोस कदम उठाना समय की मांग है। इसके अलावा, ज्ञापन में यह भी कहा गया कि गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देकर किसान रासायनिक खादों के दुष्प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकते हैं। इस दौरान गो सेवक सोनू, मोनू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## नजीबाबाद में बड़ी चोरी का खुलासा, 5.14 लाख नकदी व चांदी के सिक्कों सहित एक गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद थाना क्षेत्र में हुई बड़ी चोरी की वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 514380 रुपये की नकदी और 15 चांदी के सिक्के बरामद किए हैं। मामले में उसका एक साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि 19/20 अप्रैल की रात नजीबाबाद के मोहल्ला बालकराम निवासी शुभम अग्रवाल की चौक बाजार स्थित हरिओम वैरायटी स्टोर को चोरों ने निशाना बनाया था। चोर दुकान से भारी मात्रा में नकदी, नोटों की मालाएं और आभूषण चोरी कर ले गए थे, जिससे व्यापारियों में दहशत फैल गई थी।

घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अमरोहा जनपद के हसनपुर निवासी रफी उर्फ बब्बू को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई पूरी नकदी और चांदी के सिक्के बरामद कर लिए। पूछताछ में सामने आया कि इस वारदात में संभल जनपद के नखासा निवासी इमामुद्दीन भी शामिल था, जो फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

## नहर में कूदकर आत्महत्या का प्रयास कर रही महिला को बचाने वाले पुलिसकर्मियों व नागरिक का सम्मान

**मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** जनपद में एक मार्मिक घटना उस समय प्रेरणादायक उदाहरण में बदल गई, जब निराशा और मानसिक तनाव से जूझ रही एक महिला के लिए पुलिसकर्मियों और एक जागरूक नागरिक ने जीवनदायी भूमिका निभाई। त्वरित सूझबूझ, साहस और मानवता का परिचय देते हुए इन सभी ने मिलकर एक अनहोनी को टाल दिया और महिला को सुरक्षित बचा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सिविल लाइन क्षेत्र के ग्राम मुल्ला कच्ची सड़क निवासी एक महिला पारिवारिक विवाद के चलते गहरे मानसिक तनाव में आ गई थी। तनाव और आवेग की स्थिति में वह जटवाड़ा नहर पुल पर पहुंची और अचानक नहर में छलांग लगा दी। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए अत्यंत भयावह था। आसपास के लोगों ने तत्काल शोर मचाते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना ककरौली क्षेत्र की जटवाड़ा चौकी पर तैनात पुलिस टीम बिना किसी विलंब के मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए पुलिसकर्मियों ने स्थानीय निवासी नौशाद पुत्र भूरा के साथ मिलकर अपनी जान की परवाह किए बिना नहर में छलांग लगा दी। तेज बहाव और जोखिमपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने साहस और संयम का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने इस साहसिक कार्य की सराहना की। घटना की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने इस मानवीय और बहादुरी भरे कार्य का संज्ञान लिया। उन्होंने अपने कार्यालय में महिला, उसे बचाने वाले पुलिसकर्मियों तथा नागरिक नौशाद को बुलाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने महिला को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह घटना पुलिस की वास्तविक पहचान को दर्शाती है, जहां कर्तव्य के साथ साथ मानवता सर्वोपरि होती है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर पुलिस सदैव आमजन की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्पर रहती है तथा ऐसे साहसिक कार्य समाज में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर प्रधान आरक्षी सुशील कुमार, प्रवीन कुमार तथा महिला आरक्षी पिंकी (आपातकालीन सेवा 112) को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही नागरिक नौशाद को भी उनके साहसिक सहयोग के लिए पुरस्कृत किया गया। घटना के उपरांत महिला ने भविष्य में ऐसा कदम न उठाने का आश्वासन दिया और पुलिसकर्मियों तथा सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। बाद में पुलिस द्वारा महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

## बेटा बना सिपाही, पिता की मेहनत लाई रंग

**मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** कड़ाके की ठंड हो या तपती धूप एक पिता ने बिना मौसम की परवाह किए मजदूरी कर अपने बेटे को पढ़ाया लिखाया। आज उसी मेहनत का फल मिला, जब बेटा सिपाही बनकर परिवार का नाम रोशन कर गया। यह भावुक कर देने वाली कहानी मुजफ्फरनगर के पुरबालियान गांव निवासी मेहताब अली की है।

रविवार को पासिंग आउट परेड के बाद जैसे ही मेहताब दौड़कर अपने माता पिता के गले लगे, वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। बेटे को खाकी वर्दी में देखकर मजदूर पिता अलीशेर का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। वर्षों की मेहनत और संघर्ष उस पल साकार होते नजर आए।

2025 बैच के सिपाही मेहताब अली की शुरूआती शिक्षा सरकारी स्कूलों में हुई। हाईस्कूल से ही विज्ञान विषय में रुचि रखने वाले मेहताब ने बीएससी के बाद केमिस्ट्री में एमएससी की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने एक फार्मा कंपनी में नौकरी भी की, लेकिन उनका सपना सरकारी सेवा में जाना था।

मेहताब का कहना है कि मैंने हमेशा अपने माता पिता के संघर्ष को याद रखकर पढ़ाई की। अब मेरी पहली प्राथमिकता अपने दोनों छोटे भाइयों को अच्छी शिक्षा दिलाना है। उन्होंने अपने पिता से साफ कह दिया है कि अब वह मजदूरी छोड़ दें और आराम करें। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद मेहताब अली की पहली तैनाती बदायूं जनपद के उघैती थाने में हुई है। पासिंग आउट परेड के दौरान पिता, माता और दोनों भाइयों की आंखों में खुशी के आंसू इस बात की गवाही दे रहे थे कि यह सफलता केवल मेहताब की नहीं, बल्कि पूरे परिवार के संघर्ष और त्याग की जीत है।

## मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश

**मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार)**

जनपद मुजफ्फरनगर में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों के सफल संचालन को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने सोमवार को विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोपाड़ा, मंसूरपुर, नावला और जड़ौदा पहुंचकर वहां दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य मेलों में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, दवा वितरण, जांच व्यवस्था और साफ-सफाई की स्थिति को बारीकी से परखा। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को उनके नजदीक ही निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, टीकाकरण, संचारी रोगों की रोकथाम और परिवार नियोजन सेवाओं पर जोर दिया। साथ ही निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ हर हाल में पहुंचना चाहिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य मेलों में आए लोगों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति उनकी संतुष्टि का फीडबैक भी लिया। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और जन-जागरूकता अभियान को और तेज किया जाए।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर नागरिक को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

## महिला आरक्षण पर सियासी घमासान: भाजपा महिला मोर्चा का पैदल मार्च, कांग्रेस सपा के पुतले फूंके

**दादरी (शिखर समाचार)।** महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के मुद्दे पर सियासी माहौल गर्म हो गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा संसद में इस प्रस्ताव के विरोध में मतदान किए जाने के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा नगराध्यक्ष राजीव सिंहल के नेतृत्व में कार्यकर्ता और महिला मोर्चा की सदस्याएं मिहिर भोज बालिका इंटर कॉलेज के समीप एकत्र हुईं। यहां से महिला जन आक्रोश पैदल मार्च निकाला गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए नगर के मुख्य मार्गों से होकर प्रदर्शन किया। मार्च के दौरान सभी कार्यकर्ता नगर के मुख्य तिराहे पर पहुंचे, जहां कांग्रेस और सपा के खिलाफ विरोध जताते हुए उनके पुतले फूंके गए। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही और पूरे क्षेत्र में राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया गया। नगराध्यक्ष राजीव सिंहल ने कहा कि महिलाओं की आधी आबादी होने के बावजूद 33 प्रतिशत आरक्षण का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल महिलाओं के हित की बात तो करते हैं, लेकिन जब अवसर आता है तो समर्थन नहीं देते। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने लंबे संघर्ष के बाद महिलाओं को आरक्षण दिलाकर अपना वादा पूरा किया है। इस अवसर पर संगीता रावल, प्रीति बघेल, सीमा शर्मा, अभिषेक कौशिक, तरुण शर्मा, हरिओम रावल, विनोद प्रजापति, सुभाष बजरंगी, साबिर खान, रितु सिंहल, रजनी कटियार, ममता शर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा खतौली ने जताया आभार

**खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नगरवासियों, सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों एवं संस्थाओं के प्रति अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने आभार व्यक्त किया। महासभा के महामंत्री मुकेश शर्मा ने बताया कि यह शोभायात्रा सामाजिक, सांस्कृतिक और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बनकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में त्यागी ब्राह्मण उत्थान समिति, समाजवादी पार्टी, कौमी एकता कमेटी, श्री राज पब्लिक विद्यालय, शर्मा औषधि एजेंसी, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अनेक संगठनों का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा लतेश विधूड़ी, श्यामलाल बच्ची सैनी, इरफान टेंपो, सत्यदेव शर्मा, विपिन कुमार, दीपक गर्ग (लेखाकार), पंकज भटनागर, मुकेश अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, मनोज जैन, डॉ जयवर्धन त्यागी, डॉ एन. के. त्यागी, हरिराज त्यागी, सभासद अमित त्यागी, डॉ अंकुर शर्मा, शेखर पंडित, कुलदीप राज, नीरज जैन सहित अनेक लोगों का योगदान सराहनीय रहा। महासभा ने उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा, क्षेत्राधिकारी रूपाली राय, कोतवाल दिनेशचंद्र बघेल, नगर पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू तथा समस्त प्रशासनिक कर्मचारियों और पत्रकारों का भी आभार जताया। कार्यक्रम संयोजक दिनेश शर्मा, अध्यक्ष के. पी. शर्मा सहित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महामंत्री मुकेश शर्मा

## पिलखुवा के ऋषि शर्मा राष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी में देंगे व्याख्यान

**हापुड़/पिलखुवा (शिखर समाचार)।** पिलखुवा के मंडी मोहल्ला निवासी ऋषि कुमार शर्मा को गुजरात साहित्य अकादमी द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम भारतीय भाषा संगम 2.0 में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम 28-29 अप्रैल को स्टेच्यू ऑफ यूनिटी नर्मदा में आयोजित होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से 300 से अधिक भाषाविद और शिक्षाविद भाग लेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी और मंत्री जयरामभाई गामित भी शामिल होंगे।

ऋषि कुमार शर्मा विकसित भारत का सांस्कृतिक संदर्भः भारतीय भाषाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान देंगे। वे आकाशवाणी दिल्ली से पिछले 30 वर्षों से हिंदी उद्घोषक के रूप में जुड़े हैं। उन्होंने हिंदी अकादमी में उपसचिव रहते हुए उल्लेखनीय कार्य किया और वर्तमान में वैश्विक हिंदी परिवार के दिल्ली अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उनका यह चयन क्षेत्र के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है।

## सोशल मीडिया फ्रेंडशिप बनी जाल : शादी का झांसा देकर युवक से 1 करोड़ की साइबर ठगी

**गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़(शिखर समाचार)।** गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के बृजघाट निवासी एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया, जहां एक महिला ठग ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर शादी का झांसा देकर करीब एक करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने साइबर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार कुछ माह पूर्व उसकी सोशल मीडिया पर एक युवती से बातचीत शुरू हुई। युवती ने खुद को अविवाहित बताते हुए धीरे धीरे नजदीकियां बढ़ाईं और शादी का प्रस्ताव रखा, जिसे युवक ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद ठगों ने शादी की तैयारियों और इमरजेंसी खर्च के नाम पर लगातार पैसे मांगने शुरू कर दिए। विश्वास में आकर युवक ने कई बार ऑनलाइन ट्रांजैक्शन किए, जिससे कुल रकम लगभग एक करोड़ रुपये तक पहुंच गई। जब युवक को शक हुआ और उसने मिलने की बात कही, तो युवती ने संपर्क खत्म कर दिया। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। साइबर थाना प्रभारी के अनुसार बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## अस्थायी गो आश्रय स्थल असोढ़ा का अपर मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** अपर मुख्य सचिव पशुधन मुकेश कुमार मेश्राम ने अस्थायी गो आश्रय स्थल असोढ़ा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रय स्थल पर कुल 50 गोवंश संरक्षित पाए गए। साथ ही गोवंश के लिए 175 कुंतल भूसा, 4 कुंतल हरा चारा तथा 150 किलोग्राम चोकर उपलब्ध मिला। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने गोवंश के बेहतर पोषण और देखभाल पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि हरे चारे के उत्पादन को बढ़ाया जाए तथा अधिक से अधिक भूसे का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कमी न हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना, उप जिलाधिकारी इला प्रकाश, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ओ.पी. मिश्रा सहित पशुपालन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए उन्हें और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

# संपादकीय

## दल बदल की नई आहट : क्या बदल रही है भारतीय राजनीति की आत्मा?

27 अप्रैल 2026 को सामने आई खबर राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सात सांसदों का भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना सिर्फ एक साधारण राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की बदलती प्रवृत्तियों का संकेतक है। इस घटनाक्रम में राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे प्रमुख चेहरों का नाम जुड़ना इसे और भी महत्वपूर्ण बना देता है। राज्यसभा के सभापति द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि यह बदलाव केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का हिस्सा है।

भारतीय राजनीति में दल बदल कोई नई बात नहीं है, लेकिन जिस तेजी और पैमाने पर यह हो रहा है, वह निश्चित रूप से चिंताजनक है। लोकतंत्र की मूल भावना विचारधारा, जनसेवा और जनादेश पर आधारित होती है, लेकिन जब निर्वाचित प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर सत्ता पक्ष की ओर झुकते हैं, तो यह सवाल उठता है कि क्या यह जनादेश का सम्मान है या उसका उल्लंघन। आम आदमी पार्टी, जो स्वयं को वैकल्पिक राजनीति का प्रतीक बताती रही है, उसके प्रमुख नेताओं का इस तरह दल बदलना उस नैतिक आधार को भी चुनौती देता है जिस पर यह पार्टी खड़ी हुई थी।

इस घटनाक्रम के पीछे कई कारण हो सकते हैं राजनीतिक दबाव, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा, सत्ता की निकटता या फिर बदलते राजनीतिक समीकरण। लेकिन जो सबसे बड़ा प्रश्न है, वह यह कि क्या इस प्रकार के दल बदल से लोकतंत्र मजबूत होगा या कमजोर? जब एक ही झटके में सात सांसद किसी अन्य दल में शामिल हो जाते हैं, तो यह न केवल विपक्ष को कमजोर करता है, बल्कि संसद में स्वस्थ बहस और संतुलन की व्यवस्था को भी प्रभावित करता है।

भारतीय जनता पार्टी के लिए यह निश्चित रूप से एक रणनीतिक जीत है। इससे राज्यसभा में उसकी स्थिति और मजबूत होगी, जिससे वह अपने विधायी एजेंडे को अधिक सहजता से आगे बढ़ा सकेगी। लेकिन यह जीत जितनी राजनीतिक है, उतनी ही नैतिक प्रश्नों से भी घिरी हुई है। क्या इस प्रकार के दल बदल को प्रोत्साहित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है? या फिर यह केवल सत्ता विस्तार का एक साधन बनकर रह गया है?

दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के लिए यह एक बड़ा झटका है। इससे न केवल उसकी संसदीय ताकत कम होगी, बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह लगेगा। यह पार्टी, जिसने भ्रष्टाचार और पारंपरिक राजनीति के खिलाफ लड़ाई का दावा किया था, अब खुद उसी राजनीति का हिस्सा बनती नजर आ रही है, जिसे वह बदलना चाहती थी। आने वाले समय में इसका असर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और जनसमर्थन पर भी पड़ सकता है।

इस घटनाक्रम के दूरगामी परिणाम भारतीय राजनीति के लिए और भी गंभीर हो सकते हैं। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो अन्य पार्टियों के सांसद भी इसी राह पर चल सकते हैं। इससे राजनीतिक अस्थिरता बढ़ेगी और जनता का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थाओं से कमजोर हो सकता है। दल-बदल विरोधी कानून होने के बावजूद यदि इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं, तो यह कानून की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े करता है।

इसके अलावा, यह प्रवृत्ति राजनीति में विचारधारा के महत्व को कम कर सकती है। जब नेता केवल सत्ता के समीकरण के आधार पर अपने निर्णय लेते हैं, तो विचारधारा और सिद्धांत पीछे छूट जाते हैं। इससे राजनीति एक मूल्यहीन प्रतिस्पर्धा में बदल सकती है, जहां केवल जीत और हार ही मायने रखती है, न कि जनहित।

~ मौलिक चिंतन ~

हर किसी की ज़िंदगी एक सनसनीखेज उपन्यास है और मौत उसका सस्पेंस।

© विनय संकोची

# दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

विनोद कुमार सिंह

वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न – चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है। यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है। यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं–दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी। इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस 'सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता' के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है। हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का 'राजा' बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दशार्ता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे 'आया राम,गया राम' की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दशार्ता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है। राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता। आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

# बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

संजय गोस्वामी

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कूशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामुक्त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़े लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके

बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरुरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनोई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तिगत आरोप है इससे बचना चाहिए क्योंकि जब भी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के ऊपर जब भी किसी बिपक्षी पार्टी ने व्यक्तिगत आरोप लगाएं हैं तब तब उस पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है अतः राजनीति में व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए। दरअसल बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री ऐसा चाहिए जो बीजेपी के हाई कमान की बात को माने और सही गलत जो भी हो उसकी मयार्दा का पालन करना है।

# आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

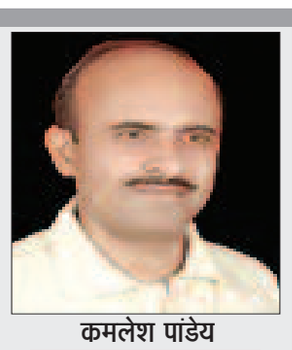

कमलेश पांडेय

**अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।**

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक औ? हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव–ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क–कभी-कभी असुरक्षित–दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः

ट्रंप की राजनीति में 'हम बनाम वे' का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं–चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक–ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;

अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ

अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा 'प्रतिक्रियावादी' है, 'सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक' कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव–ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका 'कमजोर' नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

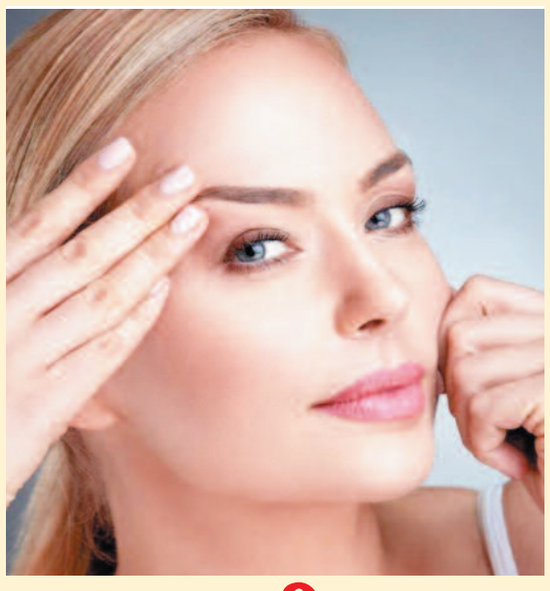

# लटकती त्वचा से पाएं निजात

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)
चावल का आटा
मुल्तानी मिट्टी
कैसे तैयार करें फेस पैक?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।
2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।
3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।
4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।
5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.
6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

# रील्स से रियल लाइफ तक: मोबाइल की दुनिया में खोती खुशी!

## क्या सोशल मीडिया छीन रहा है युवाओं की मुस्कान?

मोबाइल हाथ में आते ही उंगलियां जैसे अपने आप स्क्रीन पर दौड़ने लगती हैं. एक रील खत्म होती है तो दूसरी सामने, फिर स्टोरी, फिर पोस्ट... और देखते-देखते कब एक-दो घंटे निकल जाते हैं, पता ही नहीं चलता. आज के युवाओं के लिए यह सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी है, लेकिन इसी आदत के पीछे एक ऐसा सच छिपा है, जो थोड़ा परेशान करने वाला है. हाल ही में आई एक ग्लोबल रिपोर्ट ने इशारा किया है कि ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं की खुशी और संतुष्टि धीरे-धीरे कम हो रही है. खास बात यह है कि इसका असर सबसे ज्यादा किशोर लड़कियों में देखा गया है.

### सोशल मीडिया और खुशी का रिश्ता

आज के दौर में सोशल मीडिया सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह हमारी सोच, भावनाओं और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करने लगा है. रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया है कि जो किशोर ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें लाइफ सैटिस्फैक्शन कम देखने को मिलता है. यह जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया ही इसका सीधा कारण हो, लेकिन दोनों के बीच एक मजबूत कनेक्शन जरूर दिख रहा है. जिन युवाओं का स्क्रीन टाइम सीमित है, वे खुद को ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं. वहीं, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने वाले युवाओं में यह स्तर गिरता नजर आता है.

### किशोर लड़कियों पर ज्यादा असर क्यों?

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह है कि 15 साल की लड़कियों में यह असर सबसे ज्यादा देखा गया है. इसका एक बड़ा कारण है सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'परफेक्ट लाइफ' का भ्रम. आज इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर हर कोई अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा दिखाता है. खूबसूरत तस्वीरें, शानदार लाइफस्टाइल, ट्रैवल, ब्रांडेड कपड़े. यह सब देखकर कई बार किशोर लड़कियां खुद की तुलना करने लगती हैं. यही तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कम कर देती है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

### आखिर युवा देख क्या रहे हैं?

यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप वहां क्या देख रहे हैं, अगर कोई यूजर लगातार ऐसे कंटेंट देख रहा है जो दिखावे, ग्लैमर और 'परफेक्ट लाइफ' को बढ़ावा देता है, तो इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है. वहीं, अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए किया जाए, तो इसका असर पॉजिटिव भी हो सकता है. आजकल एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ाता है, जो ज्यादा एंगेजमेंट लाता है. इसका मतलब है कि यूजर्स को वही चीजें ज्यादा दिखती हैं, जो उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन पर रोके रखें. चाहे वह कंटेंट उनके लिए अच्छा हो या नहीं.

### किन देशों में दिखा ज्यादा असर?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे अंग्रेजी भाषी देशों में यह गिरावट ज्यादा देखने को मिली है. पिछले करीब एक दशक में इन देशों के युवाओं की लाइफ सैटिस्फैक्शन कम हुई है. इसके पीछे सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामाजिक सपोर्ट भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है. जिन युवाओं को परिवार और समाज से कम सपोर्ट मिलता है, वे ज्यादा असंतुष्ट महसूस करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि बाकी दुनिया के कई हिस्सों में युवाओं की खुशी का स्तर बढ़ा है. इससे यह साफ होता है कि सिर्फ डिजिटल दुनिया ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में मिलने वाला सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है.

### क्या सरकारें उठाने लगी हैं कदम?

इस बढ़ते असर को देखते हुए कई देशों ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर सख्ती पर विचार शुरू कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. यह कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि अब यह सिर्फ एंटरटेनमेंट का मामला नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है.

### असली समस्या: स्क्रीन टाइम या कंटेंट?

अगर ध्यान से देखें तो मामला सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं है. असली सवाल यह है कि हम डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं और उससे कितना प्रभावित हो रहे हैं. मान लीजिए, एक छात्र रोज घंटों मोटिवेशनल या एजुकेशनल कंटेंट देखता है, तो उसका असर अलग होगा. वहीं, अगर कोई लगातार दूसरों की 'परफेक्ट लाइफ' देखकर खुद को कमतर समझने लगे, तो यह उसकी खुशी को जरूर प्रभावित करेगा.

### क्या किया जा सकता है?

इसका हल पूरी तरह सोशल मीडिया छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसे समझदारी से इस्तेमाल करना है. कुछ छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं-जैसे स्क्रीन टाइम सीमित करना, अपने कंटेंट फीड को कंट्रोल करना और असली दुनिया में ज्यादा समय बिताना. परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत, आउटडोर एक्टिविटी और खुद के लिए समय निकालना-ये सब चीजें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं. सोशल मीडिया आज की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल धीरे-धीरे युवाओं की खुशी को प्रभावित कर रहा है. खासकर किशोर लड़कियों में इसका असर ज्यादा दिखना चिंता की बात है. ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया और असली जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना सीखें.

# रिपोर्ट कार्ड से नहीं खुलेगा राज! पीटीएम में ये सवाल पूछेंगे तो ही समझ आएगी बच्चे की असली ग्रोथ

साल के आखिर में होने वाली पीटीएम यानी पेरेंट टीचर ?मीटिंग को अक्सर माता-पिता सिर्फ रिपोर्ट कार्ड देखने तक सीमित कर देते हैं. कुछ मिनट बैठकर नंबर पूछे, 'ठीक है' कहा और घर लौट आए, लेकिन सच कहें तो बच्चे की असली कहानी नंबरों से कहीं ज्यादा बड़ी होती है. उसकी क्लास में मौजूदगी कैसी है, वह दोस्तों के साथ कैसा व्यवहार करता है, छोटी-छोटी हार-जीत को कैसे संभालता है-ये सब बातें उसके भविष्य की नींव तय करती हैं. यही वजह है कि आखिरी पीटीएम सिर्फ एक फॉर्मेलिटी नहीं, बल्कि बच्चे को समझने का मौका होती है, अगर सही सवाल पूछे जाएं, तो आप बच्चे के इमोशनल, सोशल और बिहेवियरल ग्रोथ की असली तस्वीर जान सकते हैं. इस बार पीटीएम में जाएं तो सिर्फ मार्कशीट नहीं, ये 9 जरूरी सवाल जरूर साथ लेकर जाएं.

### कौन-कौन से सवाल जरूर पूछें?

1. क्या मेरा बच्चा क्लास में खुश और सहज रहता है?

यह सबसे बुनियादी सवाल है, लेकिन यहीं से सब शुरू होता है, अगर बच्चा क्लास में सहज नहीं है, तो पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. टीचर से जानिए कि वह स्कूल में खुद को कितना सुरक्षित और खुश महसूस करता है.

2. वह दूसरे बच्चों के साथ कैसे घुलता-मिलता है?

दोस्ती करना भी एक स्किल है. कुछ बच्चे जल्दी घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है, अगर बच्चा अलग-थलग रहता है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

3. क्या वह ग्रुप में खेलता है या अकेले रहना पसंद करता है?

यह सवाल बच्चे की पर्सनालिटी को समझने में मदद करता है. हर बच्चा अलग होता है, लेकिन लगातार अकेलापन कभी-कभी चिंता का संकेत हो सकता है.

### पीटीएम में क्यों जरूरी हैं सही सवाल?

पीटीएम सिर्फ एक मीटिंग नहीं, बल्कि स्कूल और घर के बीच पुल की तरह होती है. यहां टीचर वो बातें बता सकते हैं जो बच्चा घर पर नहीं दिखाता. कई बार बच्चे क्लास में अलग व्यवहार करते हैं-कुछ ज्यादा चुप हो जाते हैं, तो कुछ ज्यादा एक्टिव. अगर आप सही सवाल नहीं पूछते, तो ये जरूरी बातें छूट जाती हैं. और फिर हम सोचते रह जाते हैं कि 'बच्चा बदल क्यों रहा है?'

### बच्चे की भावनाओं को समझना भी जरूरी

4. जब चीजें उसके मन मुताबिक नहीं होतीं, तो वह कैसे रिएक्ट करता है?

मान लीजिए बच्चा गेम हार गया या उसकी बारी देर से आई-क्या वह गुस्सा करता है या शांत रहता है? यह उसकी इमोशनल कंट्रोल क्षमता दिखाता है.

5. क्या वह क्लास एक्टिविटीज में हिस्सा लेता है?

क्या बच्चा हाथ उठाकर जवाब देता है या पीछे बैठकर चुप रहता है? इससे उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है.

6. क्लास में उसके सबसे करीबी दोस्त कौन हैं?

यह जानना जरूरी है कि बच्चा किन बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताता है. उसका सर्कल उसके व्यवहार को काफी प्रभावित करता है.

समस्या सुलझाने की क्षमता भी देखें

7. अगर किसी से झगड़ा हो जाए, तो वह क्या करता है?

क्या बच्चा तुरंत शिकायत करता है, रोने लगता है या खुद बात करके सुलझाने की कोशिश करता है? यह उसकी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स का संकेत है.

8. क्या वह दूसरों की मदद करता है?

सहानुभूति एक बड़ी खूबी है, अगर बच्चा दूसरों की मदद करता है या उनके प्रति संवेदनशील है, तो यह उसके अच्छे व्यक्तित्व का संकेत है.

9. क्या जरूरत पड़ने पर वह मदद मांगता है?

कई बच्चे शर्म या डर के कारण मदद नहीं मांगते, अगर बच्चा खुलकर अपनी बात रखता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को दिखाता है.

सिर्फ नंबर नहीं, पूरी तस्वीर देखें

आज के समय में सिर्फ अच्छे नंबर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं. एक बच्चा जो भावनात्मक रूप से मजबूत है, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करता है और खुद को समझता है-वही आगे जाकर बेहतर इंसान बनता है.

पीटीएम में सही सवाल पूछकर आप अपने बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं. यह न सिर्फ उसकी पढ़ाई, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी को दिशा देने में मदद करेगा.

# वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोएं या सप्ताह में, इसका सही तरीका क्या हैं?

आज के समय में वॉशिंग मशीन हर घर की एक बेहद खास जरूरत बन चुकी है. लेकिन कई बार एक आम सवाल लोगों के मन में आता है, क्या वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोना चाहिए या सप्ताह में 2 बार धोना बेहतर होता है? इसका सही जवाब आपकी जीवनशैली, कपड़ों की संख्या और मशीन के रख-रखाव पर निर्भर करती है. आइए इसके पीछे के कारणों को विस्तार से समझते हैं.

### रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के फायदे

रोज कपड़े धोने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कपड़े जमा नहीं होते. जिन परिवारों में बच्चे होते हैं या जिन लोगों को रोज ऑफिस जाना होता है, वहां रोज धुलाई से कपड़े साफ और ताजे रहते हैं.

इसके अलावा, रोज धोने पर कपड़ों पर दाग जमने का खतरा कम रहता है, जिससे कम डिटर्जेंट और कम मेहनत में कपड़े साफ हो जाते हैं. हल्का लोड होने से मशीन पर ज़्यादा जोर नहीं पड़ता और वॉश क्वालिटी भी बेहतर रहती है.

### रोज़ धोने के नुकसान

हालांकि रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के कुछ नुकसान भी हैं. सबसे पहला नुकसान है बिजली और पानी की खपत. रोज मशीन चलाने से बिजली का बिल और पानी की खपत बढ़ सकती है.

इसके अलावा, कम कपड़ों के साथ मशीन चलाने से ड्रम और मोटर का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे लंबे समय में मशीन की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है. कुछ कपड़े बार-बार धोने से जल्दी पुराने भी दिखने लगते हैं.

### सप्ताह में 2 बार मशीन में कपड़े धोने के फायदे

सप्ताह में 2 बार कपड़े धोना कई मामलों में ज्यादा व्यावहारिक और सही माना जाता है. इस तरीके से मशीन को फुल या ऑप्टिमल लोड मिलता है, जिससे पानी और बिजली दोनों की बचत होती है. एक साथ ज्यादा कपड़े धोने से समय की भी बचत होती है और मशीन का उपयोग संतुलित रहता है. साथ ही, यह तरीका पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर माना जाता है.

## आठवां वेतन आयोग देगा भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बूस्ट

### ये लोगों की बचत और निवेश की आदत को बेहतर करेगा

**नई दिल्ली।**

नवंबर 2025 में आठवें वेतन आयोग के गठन के अनुमानों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव के संकेत दिए है। इसका कुल वित्तीय बोझ केंद्रीय कर्मचारियों पर 3.7 से 3.9 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2016 के सातवें वेतन आयोग से करीब चार गुना अधिक होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी केवल इस विशाल खर्च में नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों के खर्च और बचत व्यवहार में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तन में छुपी है। इतिहास के मुताबिक भारत में प्रत्येक वेतन आयोग ने एक नई खपत लहर को जन्म दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 में पांचवें वेतन आयोग के बाद, मध्य वर्ग के पास अतिरिक्त पैसा आया और उन्होंने स्कूटर छोड़कर सीधे बाइक का रुख किया, जिससे हीरो होंडा, बजाज ऑटो और टीवीएस जैसी कंपनियों को बड़ा मौका मिला। इसके बाद, 2008 में छठे वेतन आयोग के दौरान, जब दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही थी, तब भारत में सरकारी कर्मचारियों ने कार और घर खरीदे। मारुति सुजुकी की बिक्री में सरकारी कर्मचारियों की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई, और एचडीएफसी जैसे आवास ऋण प्रदाताओं का तेजी से विस्तार हुआ। वहीं 2016 के सातवें वेतन आयोग ने हालांकि खपत से अधिक निवेश की आदत को प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसआईपी निवेश 3,122 करोड़ से बढ़कर 31,000 करोड़ हो गया, जो यह दिखाता है कि भारतीय परिवारों ने सोने और संपत्ति से हटकर शेयर बाजार में निवेश करना शुरु किया है। वर्ष 2026 में आने वाला आठवां वेतन आयोग बीते सभी वेतन आयोगों से अलग और सबसे बड़ा बदलाव लाने वाला साबित हो सकता है। इस बार सिर्फ वेतन वृद्धि ही नहीं, बल्कि तीन बड़े बदलाव एक साथ हो रहे हैं। पहला, केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी बढ़ेगी, जिससे करीब 50 लाख कर्मचारियों और 65-70 लाख पेंशनर्स को 30-50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी मिल सकती है। यह पैसा मुख्य रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में खर्च होगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी। दूसरा, राज्य सरकारें भी खर्च बढ़ाएंगी क्योंकि राज्यों के लगभग 80 लाख कर्मचारी भी वेतन बढ़ोतरी का लाभ उठाएंगे। कुल मिलाकर, केंद्रीय और राज्य कर्मचारियों के लिए यह रकम 7-8 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है, जो सीधे अर्थव्यवस्था में बंपर पैसा डालेगी। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए नए श्रम कानून के कारण आएगा, जिसने सैलरी स्ट्रक्चर को बदल दिया है। अब मूल वेतन और महंगाई भत्ता (बेसिक +डीए) कुल सीटीसी का कम से कम 50 प्रतिशत होना अनिवार्य हो गया है। इससे भविष्य निधि (पीएफ) और सेवानिवृत्ति बचत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, 50,000 सैलरी वाले कर्मचारी का पीएफ 3,600 से बढ़कर 6,000 तक हो सकता है। यह बदलाव करीब 10 करोड़ कर्मचारियों को प्रभावित करेगा और लंबी अवधि में लाखों करोड़ की बचत बनाएगा। इस अतिरिक्त धन का खर्च विभिन्न वर्गों में अलग-अलग तरीके से होगा। मध्यम आय वर्ग पैसे को कार, घर, यात्रा, एसआईपी और अन्य निवेशों के साथ-साथ निजी शिक्षा पर खर्च करेगा। वहीं, निम्न आय वर्ग खाना, गैस, मोबाइल, बच्चों की पढ़ाई, छोटे ऋणों की ईएमआई चुकाने और अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर खर्च करेगा। यही तेजी से घूमने वाला पैसा अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा। आठवें वेतन आयोग से कई प्रमुख सेक्टरों को सबसे बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। ऑटो सेक्टर में कारों और टू-व्हीलर्स की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आवास और ऋण क्षेत्र में होम लोन और रियल एस्टेट बाजार में तेजी देखी जाएगी। म्यूचुअल फंड और एसआईपी में लंबी अवधि के निवेश में और उछाल आने की प्रबल संभावना है। एफएमसीजी और उपभोक्ता सामान क्षेत्र में हिंदुस्तान यूनीलीवर, डाबर और वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को लाभ मिल सकता है। साथ ही, फाइनेंस और माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में बजाज फाइनेंस, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और छोटे बैंक मजबूत होने है।

## सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,304 पर बंद निफ्टी में 195 अंक की तेजी रही ऑटो और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

### निवेशकों को 7 लाख करोड़ का मुनाफा

**मुंबई।**

शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत हरियाली से हुई है। सोमवार को सेंसेक्स 639 अंक की तेजी के साथ 77,304 पर बंद हुआ। निफ्टी में 195 अंक की बढ़त रही, ये 24,093 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, आईटी, मेटल, मीडिया और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। शेयर बाजार में आई शानदार तेजी की वजह से निवेशकों के पोर्टफोलियों में शानदार तेजी देखने को मिला। बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 461 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 468 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यानी कि निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। सन फार्मा के शेयर में सोमवार को 6.83 प्रतिशत की तेजी रही।

कंपनी ने जानकारी दी है कि वह अमेरिका की ऑर्गेनॉन एंड कंपनी को खरीदने जा रही है। यह पूरी डील 11.75 बिलियन डॉलर

(करीब 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा) की वैल्यू पर पूरी तरह कैश में होगी। कच्चा तेल 106 डॉलर के पार ट्रेड कर रहा ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 106 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है। हॉर्मुज को तेल की सप्लाई के लिए सबसे अहम रास्ता माना जाता है।

## वरुण बेवरेजेज का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा बढ़कर 879 करोड़

**नई दिल्ली ।**

खाद्य एवं पेय कंपनी पेप्सीको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी बॉटलर वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) का जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में मुनाफा 20.14 फीसदी बढ़कर 878.71 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि से समर्थित रही। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 में 731.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सालाना आधार पर 18.33 फीसदी बढ़कर 6,721.53 करोड़ रुपये हो गई। इस तिमाही के दौरान बिक्री मात्रा 16.3 फीसदी बढ़कर 36.34 करोड़ केस हो गई जो 2025 की इसी तिमाही में 31.24 करोड़ केस थी। जनवरी-मार्च तिमाही में कुल खर्च 18.35 फीसदी बढ़कर 5,597.92 करोड़ रुपये हो गया। अन्य आय सहित कुल एकीकृत आय 18.5 प्रतिशत बढ़कर 6,765.06 करोड़ रुपये रही।

## एलएंडटी फाइनेंस ने दर्ज किया 3,003 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा

### खुदरा ऋण में मजबूत वृद्धि, प्रति शेयर 2.75 रुपए लाभांश घोषित

**मुंबई ।**

देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एलएंडटी फाइनेंस ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित मुनाफा सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,003 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भी कंपनी का लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 807 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय परिणामों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी द्वारा दिया गया खुदरा ऋण 26 फीसदी बढ़कर 1,19,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चौथी तिमाही में खुदरा वितरण वार्षिक आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 24,107 करोड़ रुपये रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक वितरण है। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.75 रुपये के लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने अगले पांच साल के लिए अपनी महत्वाकांक्षी रणनीतिक योजना की भी घोषणा की है। एलएंडटी फाइनेंस तकनीक-आधारित निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि, 2 प्रतिशत से कम क्रेडिट लागत, 3-3.2 प्रतिशत का संपत्ति पर रिटर्न और 16-18 प्रतिशत का इक्विटी पर रिटर्न प्राप्त करना है।

## अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भी एयरइंडिया ने बीमा प्रीमियम में की बढ़ोतरी?

### प्रीमियम अब 33 मिलियन डॉलर हुआ जो पिछले साल के मुकाबले 10फीसदी ज्यादा

**नईदिल्ली।** गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून 2025 को एयर इंडिया का यात्री विमान एआई-171 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस गंभीर हादसे में 475 मिलियन डॉलर के क्लेम का सामना करने के बावजूद, टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने अपने एविएशन इंश्योरेंस को मामूली बढ़ोतरी के साथ रिन्यू किया है। कंपनी ने करीब 300 विमानों के बेड़े और 20 अरब डॉलर की संपत्ति को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी को नवीनीकृत किया, जिसका वार्षिक प्रीमियम अब करीब 33 मिलियन डॉलर हो गया है। यह पिछले साल के 30 मिलियन डॉलर से केवल 10फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब सवाल उठ रहा है कि इतने बड़े क्लेम और एक गंभीर हादसे के बावजूद बीमा दरों में बड़ी वृद्धि क्यों नहीं हुई। उद्योग से जुड़े सूत्रों और लंदन जैसे प्रमुख एविएशन इंश्योरेंस हब के विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी मुख्य वजह वैश्विक रीइंश्योरेंस बाजार का नरम रहना है। बाजार में पर्याप्त फंड और कंपनियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी हुई है, जो बड़े नुकसान के बाद भी एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस के लिए प्रीमियम में तेज बढ़ोतरी को रोक रही है। एयरलाइन की देनदारी कवर पहले की तरह करीब 1.5 अरब डॉलर पर स्थिर है। वैश्विक बीमा बाजार की वर्तमान स्थिति, विशेषकर एविएशन सेक्टर में, ऐसी है कि बड़े नुकसान भी तत्काल प्रीमियम दरों पर व्यापक असर नहीं डालते। सूत्रों का कहना है कि इस बार एयर इंडिया को रिन्यूअल के दौरान एक बार का अतिरिक्त खर्च जरूर वहन करना पड़ा, लेकिन इसके अलावा प्रीमियम में कोई खास बढ़ोतरी नहीं की गई। पिछले साल कवर देने वाली बीमा और रीइंश्योरेंस कंपनियों ने इस बार भी वही शर्तें जारी रखीं। एयर इंडिया की इस पॉलिसी में टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस (45फीसदी), आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस (7फीसदी), न्यू इंडिया एश्योरेंस (32फीसदी) और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी (14फीसदी) जैसी प्रमुख भारतीय बीमा कंपनियां शामिल हैं। इस पॉलिसी का करीब 95फीसदी हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रीइंश्योर किया गया है, जिसमें एआईजी, एक्सा और एलायंस जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां और जीआईसी री भी भागीदार हैं। ग्लोबल एविएशन ब्रोकिंग कंपनी विलिस के मुताबिक 2025 एयरलाइन बीमा कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि इस दौरान कई महंगे क्लेम आए। फिर भी, प्रीमियम पर सीधा असर इसलिए नहीं पड़ा क्योंकि बाजार में पर्याप्त क्षमता है और हर क्लेम में सभी बीमा कंपनियां शामिल नहीं होतीं। हालांकि, जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक वित्त 2026 में भारतीय बीमा कंपनियों का कुल सकल प्रीमियम मामूली रूप से 0.8फीसदी घटकर 1,089.27 करोड़ रुपए रह गया, जिसमें न्यू इंडिया एश्योरेंस का योगदान सबसे अधिक था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मौजूदा स्थिरता वैश्विक बाजार में उपलब्ध पर्याप्त क्षमता के कारण है, लेकिन अगर बड़े और महंगे हादसे लगातार होते रहे, तो यह कम कीमत पर जोखिम कवर करने की स्थिति बदल सकती है और बाजार अचानक सख्त हो सकता है। भविष्य में रीइंश्योरेंस की बढ़ती लागत और साइबर सुरक्षा जैसे नए खतरे भी प्रीमियम दरों को प्रभावित कर सकते हैं।

## पेटीएम को नए अवसर बर्नस्टीन का भरोसा बरकरार

### ब्रोकरेज कंपनी ने 1,500 के लक्ष्य मूल्य के साथ 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग दोहराई

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक ब्रोकरेज बर्नस्टीन ने पेटीएम पर अपना भरोसा दोहराते हुए कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से जुड़े हालिया नियामकीय घटनाक्रम का पेटीएम के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे नए अवसर खुल सकते हैं। ब्रोकरेज ने 1,500 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग बरकरार रखी है, जो करीब 31 प्रतिशत की संभावित बढ़त का संकेत देता है। बर्नस्टीन ने कहा कि नियामक द्वारा पेमेंट्स बैंक लाइसेंस पर कार्रवाई एक क्रमिक घटनाक्रम है। पेटीएम ने 2024 की शुरुआत में नियामकीय कार्रवाई के बाद ही पेमेंट्स बैंक और मूल कंपनी के बीच स्पष्ट अलगाव स्थापित कर लिया था। ब्रोकरेज के अनुसार, पीपीबीएल का संचालन एक वर्ष से अधिक समय से निलंबित होने के कारण पेटीएम के आंकड़ों पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

पेटीएम ने पहले ही पेमेंट बैंक में अपने निवेश को बट्टे खाते में डाल दिया था, जिससे कोई एकमुश्त वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। बर्नस्टीन निकट भविष्य के घटनाक्रमों से आगे बढ़ते हुए पेटीएम के लिए रणनीतिक अवसर देख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटनाक्रम कंपनी के लिए गैर-

बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) या पीपीआई (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट) जैसे वैकल्पिक नियामकीय ढांचे अपनाने का रास्ता खोल सकता है। इधर, वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम) ने शेयर बाजार को सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने दोहराया कि उसकी कोई भी सेवा पीपीबीएल से जुड़ी नहीं है, और पेटीएम ऐप, पेटीएम यूपीआई सहित सभी पेशकश सामान्य रूप से जारी रहेंगी।

## डिजिटल लेंडर किश्त का आईपीओ मूल्य दायरा तय, 162-171 रुपए प्रति शेयर

### 926 करोड़ का आईपीओ 30 अप्रैल को खुलेगा, 8 मई को सूचीबद्ध होगा

**नई दिल्ली ।**

ऑनलाइन ऋण प्रदान करने वाले मंच किश्त का संचालन करने वाली वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने 926 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा निर्धारित कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को घोषणा की कि उसके आईपीओ के लिए प्रति शेयर 162-171 रुपए का मूल्य दायरा तय किया गया है। यह आईपीओ 30 अप्रैल को खुलेगा और 5 मई को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 29 अप्रैल को बोली लगा पाएंगे। इस आईपीओ में 850 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 76 करोड़ रुपए के 44,39,788 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। कंपनी के शेयर 8 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

## अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में आया उछाल 48 फीसदी की आई तेजी

**मुंबई।**

भारत के उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 30.07 रुपए पर पहुंच गए। रिलायंस पावर के शेयर पिछले एक महीने में 41 फीसदी से ज्यादा उछल गए। वहीं, 30 मार्च के बाद से रिलायंस पावर के शेयरों में 48 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। अनिल की पावर कंपनी का मार्केट कैप सोमवार को 12300 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। रिलायंस पावर के शेयर 52 हफ्ते के अपने निचले स्तर से 48 फीसदी उछले। रिलायंस पावर के शेयर 30 मार्च 2026 को 20.23 रुपए पर जा पहुंचे थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2026 को बीएसई में 30.07 रुपए पर पहुंच गए। पिछले 5 दिन में रिलायंस पावर के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। अगर पिछले 6 महीने की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 32 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। पिछले एक साल में पावर कंपनी के शेयर 27 फीसदी लुढ़क गए हैं। अनिल अंबानी की यह कंपनी पावर जेनरेशन इंडस्ट्री से जुड़ी है। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर पिछले 6 साल में 1430 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 1.95 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2026 को 30.07 रुपए पर जा पहुंचे। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 515 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया। कंपनी के शेयर इस अवधि में 4.85 रुपए से बढ़कर 30 रुपए के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 3 साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 145 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 20.23 रुपए है। रिलायंस पावर अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है।

कंपनी ने मई 2008 में अपने निवेशकों को 3:5 के रेशियो में बोनस शेयर दिए यानी पावर कंपनी ने अपने शेयरधारकों को हर 5 शेयर पर 3 बोनस शेयर बांटे। रिलायंस पावर में प्रमोटर की हिस्सेदारी 24.98 फीसदी है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 75.02 फीसदी है।

## क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी बन सकती है महंगी आफत

### आरबीआई के आंकड़ों में क्रेडिट कार्ड से खर्च में 6 फीसदी की बढ़ोतरी

**नई दिल्ली ।**

भारतीय मध्यम वर्ग के लिए क्रेडिट कार्ड अब सिर्फ खरीदारी का साधन नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का अभिन्न अंग बन चुका है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि फरवरी 2026 में क्रेडिट कार्ड से खर्च बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले साल से 6 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस बढ़ती सुविधा के बीच एक आदत ऐसी भी है जो आपकी वित्तीय सेहत पर भारी पड़ सकती है- क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी। फरवरी 2026 में जहां कुल क्रेडिट कार्ड लेनदेन में 6 फीसदी की वृद्धि देखी गई, वहीं इसी अवधि में क्रेडिट कार्ड से 364.26 करोड़ रुपये नकद निकाले गए।

यह एक ऐसी सुविधा है जो असल में आपकी जेब पर सबसे महंगा बोझ डालती है। क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने पर आपको अक्सर 45-50 दिनों का ब्याज-मुक्त समय मिलता है, लेकिन नकद निकासी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता। जिस पल आप एटीएम से पैसे निकालते हैं, उसी दिन से 36 से 48 फीसदी तक का भारी-भरकम सालाना ब्याज लगना शुरू हो जाता है। इसके अतिरिक्त, निकाली गई राशि पर 2.5 फीसदी से 3 फीसदी (न्यूनतम 300-500 रुपये) का कैश एडवांस शुल्क भी लगता है। इतना ही नहीं, क्रेडिट कार्ड से बार-बार नकद निकालना बैंक की नज़र में आपकी वित्तीय अस्थिरता को दर्शाता है, जिससे आपका सिबिल स्कोर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है और भविष्य में अन्य ऋण प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। यदि आपको तत्काल नकद की आवश्यकता है, तो क्रेडिट कार्ड के बजाय हमेशा एक आपातकालीन फंड बनाने, कम ब्याज वाला पर्सनल लोन लेने या छोटे खर्चों के लिए बाय नाउ पे लेटर जैसे सुरक्षित विकल्पों पर विचार करें।

## हिंदुस्तान जिंक का विस्तार कार्यक्रम वैश्विक जिंक उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने तैयारी

### कंपनी 50-60 करोड़ डॉलर के पूंजीगत व्यय से 3-4 साल में उत्पादन दोगुना करेगी

**नई दिल्ली ।**

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती इनपुट लागतों के बावजूद, हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के लिए कमर कस रहा है। कंपनी अगले 3 से 4 वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करने के लिए 50 से 60 करोड़ डॉलर का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम तैयार कर रही है। इसका प्राथमिक लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक बनना और चांदी व महत्वपूर्ण खनिजों के कारोबार का विस्तार करना है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति से इस साल जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा हो सकता है। वित्त वर्ष 2027 के दौरान, कंपनी ने जिंक लागत 975 से 1,000 डॉलर प्रति टन रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें यह जोखिम प्रीमियम शामिल है। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हुए उत्पादन नुकसान का भी जिक्र किया, जो नए आर6 रोस्टर की स्थापना में देरी के कारण हुआ था। इस देरी से उत्पादन प्रभावित हुआ, क्योंकि पुराने रोस्टर बंद होने वाले थे और नया तैयार नहीं था। हालांकि, दूसरी छमाही तक आर6 के सफलतापूर्वक चालू होने से कंपनी ने रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया और चुनौतियों का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया।

## पीएनबी एफडी स्कीम 2 लाख पर 5 साल में मिलेगा 70,701 ब्याज

### सीनियर सिटीजन को लगभग 6.90 फीसदी तक का मिल सकता है आकर्षक ब्याज

**नई दिल्ली ।**

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) उन निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प लेकर आया है जो बाजार के उतार-चढ़ाव से बचकर सुरक्षित और स्थिर रिटर्न चाहते हैं। बैंक की 5 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम में निवेश कर आप बिना किसी जोखिम के अपनी पूंजी बढ़ा सकते हैं। यह योजना कम जोखिम पसंद करने वाले और सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प है। पीएनबी वर्तमान में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को लगभग 6.10 फीसदी वार्षिक ब्याज दे रहा है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को करीब 6.60 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन को लगभग 6.90 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज मिल सकता है।

हालांकि, निवेश से पहले बैंक से ताज़ा दरों की पुष्टि करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये बैंक की नीतियों के अनुसार बदल सकती हैं। यदि कोई सामान्य ग्राहक 2,00,000 रुपए की राशि 5 साल के लिए निवेश करता है, तो मैच्योरिटी पर उन्हें लगभग 70,701 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे कुल रकम 2,70,701 रुपए हो जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, समान निवेश पर अनुमानित ब्याज लगभग 77,445 रुपए होगा, और कुल मैच्योरिटी राशि 2,77,445 रुपए तक पहुंच सकती है। सुपर सीनियर सिटीजन को करीब 81,568 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे उनकी कुल

रकम 2,81,568 रुपए हो जाएगी। फिक्स्ड डिपॉजिट को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि इसमें निवेश के समय ही आपका रिटर्न स्पष्ट हो जाता है, जिससे वित्तीय स्थिरता और मन की शांति मिलती है।

# आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहेा। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

## टीम इस प्रकार है

**पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद.

**राजस्थान रॉयल्स:** रियान पराग (कप्तान),शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्रेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा.

## भारत ने ऑस्ट्रेलिया का किया सूपड़ा साफ, थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

**होर्सेस (डेनमार्क) (एजेंसी)।** भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एप्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

US ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया।

इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा भूपति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंडिका रामाडियांस्या और एप्रैम स्टीफन सैम को 21-12, 21-10 से हराया जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

## रहाणे ने जीत का श्रेय रिंकू की पारी को दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) कप्तान आजिंग्य रहाणे ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है। रहाणे ने इस जीत का श्रेय रिंकू सिंह की धमाकेदार बल्लेबाजी को दिया है। रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी ने मैच बदल दिया। उसके कारण ही उनकी टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। रिंकू ने इस मैच में एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 83 रनों की पारी खेली। इससे अंक तालिका में केकेआर पहली बार एक स्थान ऊपर आयी है। मैच के बाद जब रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी से अंतर आया। रहाणे ने कहा कि रिंकू ने जिस प्रकार से 16 ओवर के बाद बल्लेबाजी की है उससे मैं बेहद खुश हूं उसकी पारी ने सब बदल दिया। जिस प्रकार उसने अंतिम ओवर में रन बटोरे उससे ही हम मैच में वापस आये। वहीं पिच की सराहना करते हुए रहाणे ने कहा, हमने यहां मुश्ताक अली खेला था और जिस पिच पर हमने खेला वह मुश्ताक अली जैसी ही थी। इसलिए हमने सोचा कि जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो इस विकेट पर 160, 170 बहुत अच्छा लक्ष्य होगा, लेकिन हमारी टीम पावर प्ले में रन नहीं बनाने के कारण पिछड़ गयी। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की।

## आईपीएल में ऑरेंज कैप की सूची में अभिषेक, पर्पल कैप की सूची में अंशुल शीर्ष पर

**मुम्बई (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। इसके बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 380 रनों के साथ ही शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 330 रन बनकार पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में हर मैच के साथ बदलाव आ रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पाँच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शुभमन 330 रन बनाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पाँच में अन्य बल्लेबाजों में केएल राहुल और वैभव सूर्यवंशी दोनों 357 रनों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि हेनरिक क्लासेन 349 रनों के

साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इससे साफ है कि ऑरेंज कैप की दौड़ में कड़ा मुकाबला जारी है। दूसरी ओर गेंदबाजों के लिए पर्पल कैप की टक्कर और भी रोमांचक हो गई है। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही इस दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। उन्होंने 14 विकेट लेकर सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा 14 को पीछे छोड़ दिया है, हालांकि दोनों गेंदबाजों के विकेटों की संख्या समान है। मुम्बई इंडियंस के जोफ्रा आर्चर 13 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 13 लेकर शीर्ष पाँच में प्रवेश कर लिय है, वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी कगिसो रबाडा 13 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

# प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

## सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

**मुम्बई (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्त प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

## चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं मीराबाई चानू

नई दिल्ली । भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं।' भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है। मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 31 साल की मीराबाई ने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा और 116 किग्रा) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी जिसके बाद अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेले 2026 के लिए वह अपना वजन बढ़ाकर 53 किग्रा वर्ग में आ जाएंगी। एशियाई खेल ही एकमात्र ऐसा बड़ा टूर्नामेंट है जिसमें मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने अभी तक कोई पदक नहीं जीता है। साथ ही यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी होगा। एशियाई चैंपियनशिप मूल रूप से एक से 10 अप्रैल तक होनी थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे एक महीने से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। यह संघर्ष अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों से शुरू हुआ था। यह पहली बार होगा जब भारत सीनियर महाद्वीपीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

## बीसीसीआई ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए केकेआर के अंगक्रिश पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के उभरते हुए बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पर जुर्माना लगाया है। अंगक्रिश पर ये जुर्माना केकेआर को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली जीत के बाद लगाया गया। बोर्ड की आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने इस बल्लेबाज पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, उन्हें लीग उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस बल्लेबाज पर ये कार्रवाई उसकी उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए की गयी है। बीसीसीआई की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि अंगक्रिश को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 अपराध का दोषी पाया गया है। यह क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदान उपकरण आदि के दुरुपयोग से संबंधित है। अंगक्रिश ने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना गया। गौरतब है कि यह मामला तब का है जब तीसरे अंपायर के आउट दिए जाने के बाद अंगक्रिश ने आपा खो दिया और पवेलियन लौटते समय बल्ले से बाउंड्री कुशन पर मारा और अपना हेलमेट भी जमीन पर फेंक दिया। उनकी यह प्रतिक्रिया खेल भावना के विपरीत मानी गई और इसी के चलते उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। गौरतलब है कि ये यह पूरा विवाद केकेआर की पारी के पांचवें ओवर का है। तब इस बल्लेबाज ने प्रिंस यादव की गेंद पर शॉट खेला और तेजी से एक रन लेने के लिए दौड़े।

## वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे। कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस

बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था। कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है ।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं। कैफ ने कहा, वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं। इसके अलावा, 15 साल की उम्र में दिमाग शांत बने रहना उसका एक दुर्लभ गुण हैया। वह इसी प्रकार खेलता रहे तो भारतीय क्रिकेट को दो शतक के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज मिल जाएगा।

# ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

**मुम्बई (एजेंसी)।** आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए,

शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

## 'उसे लैब में टेस्ट करवाओ', वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में बोले पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट नियाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 15 साल के बच्चे के लिए क्रिकेट बॉल को उस तरह से मारना आम बात नहीं है जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी मार रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन की शुरुआत से ही सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे हैं। वह रन बनाने वालों की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने की कोशिश भी कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि सीजन के आखिर में ऑरेंज कैप उनकी होगी। पाकिस्तान के एक शो में क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज ने मजाक में कहा कि राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनिंग बल्लेबाज के अंदर एक AI चिप लगी हुई है क्योंकि वह जिस आसानी से छक्के मार रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा ही लगता है, जबकि वह अभी टीनएजर ही हैं।

नियाज ने एक वीडियो में कहा, 'यह लड़का

है क्या बला! जैसे WADA डोपिंग टेस्ट करता है, वैसे ही इसे भी किसी लैब में भेजना चाहिए, शायद इसके अंदर कोई AI चिप लगी हुई है। यह बिल्कुल ही अविश्वसनीय है, यार। मेरा मतलब है, मुझे इससे बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। क्या जबरदस्त खिलाड़ी है यह।' नियाज ने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (SRH के खिलाफ) थोड़ा धीमा खेला, उसका स्ट्राइक-रेट 300 होना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, 'ठीक है तो मेडिकल तौर पर, जब आप 18 साल के होते हैं, तो आपका पूरा शरीर आकार लेना शुरू करता है। आपके कंधे गोल हो जाते हैं, मांसपेशियां बनती हैं, ट्राइसेप्स, बाइसेप्स और आपका कोर मजबूत होता है, क्योंकि उस समय आपके शरीर में हॉर्मोन और टेस्टोस्टेरोन का स्तर अपने चरम पर होता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले सालों में सूर्यवंशी का विकास और कितना ज्यादा हो सकता है।

पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट ने सूर्यवंशी की उन खूबियों के बारे में भी बात की, जो उन्हें बाकी सबसे अलग बनाती हैं। नियाज ने कहा, 'वह 16 साल का है। जब वह पैदा हुआ था, तब विराट कोहली पहले से ही वर्ल्ड चैंपियन बन चुके थे। वह पहले ही जीत चुके थे। अब आप उसमें क्या देखते हैं? मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि यह फर्क क्यों है। ठीक है, उसके पास बहुत ज़्यादा तकनीक नहीं है। यह उसकी ताकत नहीं, बल्कि उसकी तकनीक है (जो उसे इस तरह खेलने में मदद करती है)। खेलते समय उसकी कलाई का इस्तेमाल और उसका आर्क, ये दोनों ही बड़े फैक्टर हैं।''

सूर्यवंशी IPL 2026 सीज़न में सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 8 मैचों में कुल 357 रन बनाए हैं। इस सीजन में वह अब तक एक शतक और तीन अर्धशतक बना चुके हैं और उसका स्ट्राइक रेट 234 से भी ज्यादा है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

**मिथुन** — का की कू घ ङ छ के को हा

शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

**धनु** — ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

## काकुरो पहेली - 3872

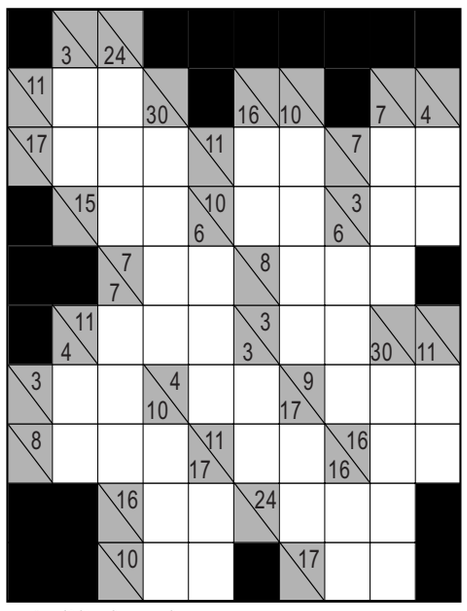

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

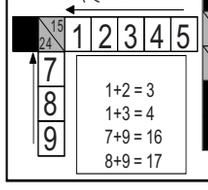


**काकुरो - 3871 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 3 24 | 24 | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ |
| 11 | 2 | 9 | 30 | ■ | 11 29 | ■ | 7 | 4 |
| 16 | 1 | 7 | 8 | 7 | 2 | 5 | 7 | 4 | 3 |
| ■ | 17 | 8 | 9 | 17 24 | 9 | 8 | 3 7 | 2 | 1 |
| ■ | ■ | 15 24 | 7 | 8 | 10 | 7 | 2 | 1 | ■ |
| ■ | 23 17 | 8 | 6 | 9 | 13 11 | 9 | 4 | 10 | 17 |
| 16 | 9 | 7 | 16 13 | 7 | 9 | 13 4 | 1 | 4 | 8 |
| 23 | 8 | 9 | 6 | 3 4 | 2 | 1 | 11 3 | 2 | 9 |
| ■ | ■ | 8 | 5 | 3 | 6 | 3 | 2 | 1 | ■ |
| ■ | ■ | 3 | 2 | 1 | ■ | 4 | 1 | 3 | ■ |

## लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा– 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया– 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा– महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया– बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा– 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति– 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 3872

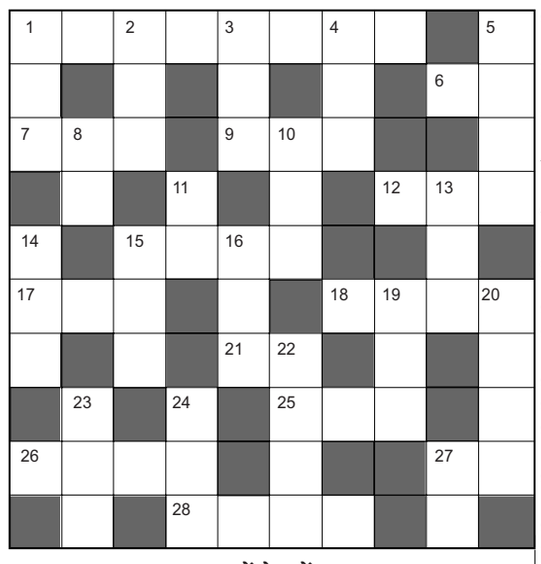

**बायें से दायें:-**

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

**ऊपर से नीचे:-**

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 3871**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ह | म | तु | म | ■ | बं | दि | श | ■ | जं |
| स्ती | ■ | म | हा | र | जा | ■ | र | जा | जी |
| ■ | दी | ■ | न | ■ | र | ■ | बी | ■ | र |
| दी | वा | ना | ■ | जी | न | त | ■ | क | ■ |
| ■ | र | ■ | अं | त | ■ | ला | वा | रि | स |
| आ | ■ | दा | दा | ■ | जो | श | ■ | श्मा | ■ |
| क्रो | ध | ■ | ज | मी | र | ■ | अ | ■ | इं |
| श | ■ | आ | ■ | र | ■ | ज | मा | न | त |
| ■ | म | ह | ल | ■ | जीं | ■ | न | ■ | का |
| दो | स्त | ■ | क्ष्य | ■ | स | पू | त | ■ | म |

## सूडोकु -3872

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3871 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |

## शब्द पहेली - 3872

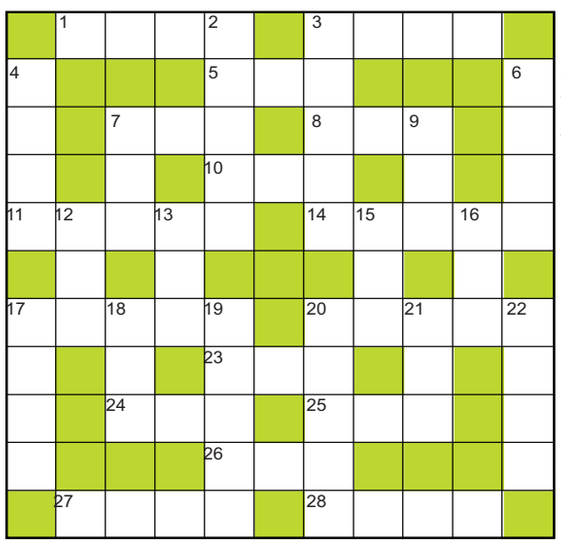

**बाएँ से दाएँ**

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

**ऊपर से नीचे**

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

**शब्द पहेली - 3871 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | ल | र | व | ■ | ■ | ■ | मु | का | ब | ला |
| मी | ■ | ■ | त | म | त | मा | ना | ■ | ■ | ज |
| श | ब | ■ | न | या | ■ | न | दी | ■ | जी | वा |
| न | र | क | ■ | न | म | क | ■ | ख | रा | ब |
| ■ | दा | म | न | ■ | जा | ■ | न | फा | ■ | ■ |
| ■ | न | ■ | ख | त | ■ | म | न | ■ | म | ■ |
| ■ | ■ | सा | रा | ■ | आ | ■ | द | म | न | ■ |
| अ | ना | र | ■ | र | स | म | ■ | त | ह | री |
| मा | ता | ■ | ल | क | ■ | सौ | त | ■ | र | त |
| न | ■ | ■ | च | म | क | दा | र | ■ | ■ | स |
| त | क | दी | र | ■ | ■ | ■ | ल | ल | का | र |

## नीबू पानी से वजन घटाएं

**सुबह** खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। भोजन के आधा घंटा बाद एक कप गर्म पानी घूंट-घूंट कर पिएं। शरीर को डिटॉक्स करना जरूरी है।

इसके लिए हफ्ते में एक दिन व्रत रखें या सिर्फ लिक्विड डाइट पर रहें। महीने में 3 से 4 किलो वजन कम करना सही रहता है। इससे ज्यादा तेजी से वजन घटाना सेहत के लिए नुकसान देह है।

## पेट की जलन के घरेलू उपाय

**पेट** में कई बार तेज जलन होती है, कभी इतनी तेज होती है कि लगता है जैसे पेट में आग लग गई हो या भट्टी जल रही हो। यह जलन खान-पान पर भी निर्भर रहती है।

कभी मिर्च न खाने वाले या कम खाने वाले को ज्यादा मिर्च का भोजन खाना पड़ जाए, तो भी यह परेशानी आ सकती है। कभी शरीर में गर्मी बढ़ जाने से भी जलन होती है, पेट हमारे शरीर का केन्द्र होता है, इसमे किसी प्रकार की खराबी नहीं होना चाहिए।

चिकित्सा : पुष्कर मूल, एरंड की जड़, जौ और धमासा चारों को मोटा-मोटा कूटकर शीशी में भर लें। एक गिलास पानी में दो चम्मच चूर्ण डालकर उबालें। जब पानी आधा कप बचे तब उतारकर, आधा सुबह व आधा शाम को पी लिया करें। पेट की जलन दूर हो जाएगी। यह प्रयोग 8 दिन तक करके बंद कर दें।

इस प्रयोग के साथ उचित पथ्य आहार का सेवन और अपथ्य का त्याग रखना आवश्यक है। पथ्य आहार में प्रायः कच्चा दूध और पानी एक-एक कप मिलाकर, इसमें एक चम्मच पिसी मिश्री या चीनी डालकर फेंट लगाएँ और खाली पेट चाय या दूध की जगह पिएँ। चाय या दूध न पिएँ। इस तरह दिन में दो या तीन बार यह लस्सी पिएँ। भोजन के अन्त में आगरे का पेठा या पका केला खाएँ। सुबह-शाम एक-एक चम्मच प्रवालयुक्त गुलकंद खाएँ, दोपहर में आँवले का मुरब्बा (एक आँवला) खूब चबा-चबाकर खाएँ। तले हुए और उष्ण प्रकृति के पदार्थ न खाएँ।

## चाय से कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण

**हाल** के अध्ययनों में पता लगा है कि हरी और काली चाय कोलेस्ट्रॉल के स्तर को घटाने में खासी कामयाब हैं। टेनेसी (अमेरिका) स्थित नैशविल की वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डेविड माटोन के संपर्क में 240 चीनी मर्द और औरतें थीं। अपना-अपना कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए वे पहले से ही लो-फैट डाइट पर थे। माटोन ने उन्हें 12 सप्ताह तक चाय से बने कैप्सूल दिए। इससे फायदा यह हुआ कि उनमें लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल) यानी खराब कोलेस्ट्रॉल 16 प्रतिशत घट गया।

हालाँकि इस अध्ययन को नैशविल स्थित नशाई बायोटेक ने प्रायोजित किया था, जो ऐसे कैप्सूलों को चीन में बेचती है, लेकिन माटोन ने परीक्षण इसी शर्त पर किए कि वे हर स्थिति में नतीजों को प्रकाशित करेंगे। जब ये परिणाम आर्काइव ऑफ इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित हुए। तब इनसे माटोन भी आश्चर्यचकित हो गए क्योंकि पता यह चला कि जो लोग ज्यादा चाय पीते हैं उनमें कोलेस्ट्रॉल भी कम होता है और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएँ भी।

उनके अध्ययन ने पहली बार यह दर्शाया कि हरी और काली चाय में जो प्राकृतिक रूप से कुछ रसायनों का संगम मिलता है, उनसे कोलेस्ट्रॉल खासा कम हो जाता है। पिछले अध्ययनों की रोशनी में कहा जा सकता है कि हरी चाय अकेले काफी नहीं है। अगर उसके साथ लो-फैट डाइट (निम्न वसा आहार) भी ली जाए तो दिल के दौरे का खतरा 16 से 24 प्रतिशत कम हो जाएगा। इस सफलता की रोशनी में वैज्ञानिक चीन के अन्य पारंपरिक नुस्खों का भी परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन इसमें बहुत समय लगेगा क्योंकि ज्यादातर चीनी नुस्खे बहुत सारी जड़ी-बूटियों के बने होते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

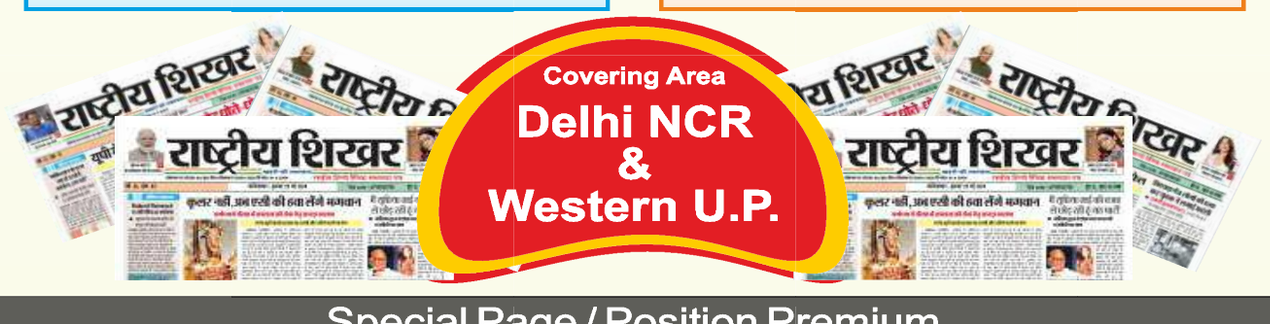


Special Page / Position Premium

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Front Page (Semi) | - | 50% | Island Position | - | 50% | Strip Advt. | - | 15% |
| Front Page (Solus) | - | 75% | Right Hand Page | - | 10% | Political Advt. | - | 50% |
| Back Page | - | 25% | Top of AD Column | - | 15% | Pull Outs | - | 50% |
| Page Three | - | 20% | Any Other Spl. Position | - | 10% | Discount as per deal | | |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

## 'भूत बंगला' की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रैंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

## धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

### प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

#### प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

#### सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

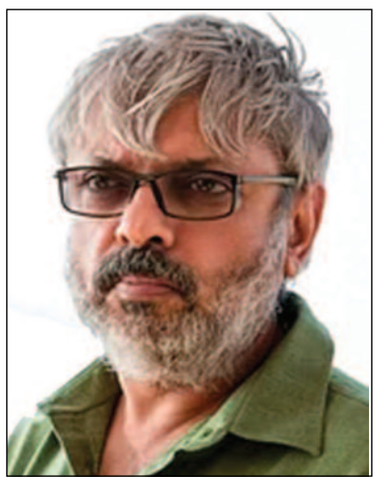

#### इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

#### कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

## ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है 'आसमानी' का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

## अशनीर ग्रोवर की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान जल्द ही फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करने वाले हैं। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आई थीं कि इमरान बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं। बीते दिनों इस बायोपिक से आमिर खान के भी छुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब इमरान खान ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और खबरों के पीछे की सच्चाई से रूबरू करवाया है।

#### इमरान ने अफवाहों को किया खारिज

इमरान खान ने अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम करने की खबरों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने कहा कि मैंने इस परियोजना के बारे में सुना तक नहीं है। यह सच नहीं है। इस प्रतिक्रिया के साथ ही इमरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं इमरान की प्रतिक्रिया के बाद अब प्रोजेक्ट के अस्तित्व को लेकर भी संदेह पैदा हो रहा है।

#### आमिर के फिल्म से जुड़ने की थीं खबरें

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की बायोपिक बन रही है। इस बायोपिक से आमिर खान के जुड़ने की भी खबरें सामने आई थीं। खबरों में ऐसा दावा किया गया था कि आमिर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। यानि वो अशनीर ग्रोवर की भूमिका में ही नजर आ सकते हैं। साथ ही ये बताया गया था कि फिल्म को राहुल मोदी निर्देशित कर सकते हैं। उनके द्वारा ही फिल्म की कहानी भी लिखी जाने की खबरें सामने आई थीं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन अब इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट को लेकर साफ तौर पर इनकार कर दिया है। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर, शार्क टैंक इंडिया में निवेशक के रूप में आने के बाद बेहद लोकप्रिय हो गए।

#### इस फिल्म से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे इमरान

वहीं इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे समय बाद 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर के प्रमुख भूमिका में नजर आने की संभावना है। इमरान खान आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी।

## प्रोड्यूसर बनना आसान नहीं

अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आए हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ राजकुमार राव ने बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। इस फिल्म को उन्होंने अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जो एक मिडिल क्लास कहानी को कॉमेडी, मिस्ट्री और थ्रिल के साथ दिखाती है। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राजकुमार राव ने प्रोड्यूसर बनने के अनुभव, दोस्ती, शादी की यादों और फिल्म की खासियतों पर खुलकर अपनी बात रखी।

#### प्रोड्यूसर बनने का अनुभव कैसा रहा और आपने क्या नया सीखा?

मुझे लगता है कि यह मुझे मजबूत बनाने वाला अनुभव है। क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा काम है, बहुत मेहनत है। प्रोड्यूसर होना आसान नहीं है। मैं यही सोचता रहा कि पत्रलेखा ने यह सब कैसे मैनेज किया, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता था कि प्रोड्यूसर का काम बहुत आसान होता होगा। एक बार आपने टीम सेट कर दी, उसके बाद सब हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। चौबीसों घंटे हर दिन आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। छोटे भी और बड़े भी। लगातार बातें करनी होती हैं, मीटिंग करनी होती है, बहुत सारा पेपरवर्क होता है। हर चीज के लिए हजारों लोगों से संपर्क रखना पड़ता है, तो काम बहुत ज्यादा होता है। चूंकि, हम दोनों अभिनेता हैं, इसलिए हमें क्रिएटिव चीजों पर भी ध्यान देना पड़ता है। एडिट कैसा जा रहा है, डीआई कैसा जा रहा है, साउंड कैसा सुनाई दे रहा है? हर चीज देखनी पड़ती है

#### पर्दे पर कंजूस किरदार और असल जिंदगी में प्रोड्यूसर, कहीं पैसों का खास ख्याल रखने की प्रैक्टिस तो नहीं चल रही?

यह बिल्कुल एक संयोग है। इसका असल जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। (हंसते हुए) हम लोग असल जिंदगी में बिल्कुल अलग हैं, कंजूस तो बिल्कुल नहीं है। बल्कि हम तो ऐसे प्रोड्यूसर हैं जो चाहते हैं कि सेट पर लोगों को बहुत अच्छा खाना मिले, सबको समय पर खाना दिया जाए। हम खुद इतने साल से अभिनेता हैं, इसलिए हमें ठीक से पता है कि सेट पर किन चीजों से लोगों को दिक्कत होती है, क्या परेशानियां होती हैं। अगर लोग शिकायत करते हैं तो हम चाहते हैं कि ऐसा न हो। अगर कोई बात हम तक पहुंचे तो हम उसे तुरंत ठीक करें, क्योंकि हमें खुद पता है कि क्या सही है और क्या गलत।

#### बतौर प्रोड्यूसर आपने अपनी पहली फिल्म के लिए डार्क कॉमेडी ही क्यों चुनी?

ऐसा कुछ नहीं था। यह पहली चीज थी जो हमारे पास आई थी। इससे पहले भी हमने कुछ और चीजें पढ़ी थीं, लेकिन यह हमें क्लिक हुई। इसे पढ़कर बहुत मजा आया। इसके किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प हैं। हम हमेशा से यही चाहते थे कि यह फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए बने। हमें लगा कि इस ओटीटी प्लेटफार्म पर वहां कॉमेडी कम है, तो यह वैसी फिल्म हो सकती है जिसे ऑडियंस खूब पसंद करें। इसमें एक मिडिल क्लास सोसायटी की कहानी है, जिसे बहुत ही मजेदार तरीके से दिखाया गया है। कहानी बहुत रियल है, जो इंडियन फॅमिली से जुड़ी हुई है। सब कुछ बहुत फन तरीके से दिखाया गया है। यह एक अलग तरह की फिल्म है, जिसमें मिस्ट्री भी है, थ्रिल भी है और कॉमेडी भी है।

## संक्षिप्त समाचार

### कांगो में नई सरकार का एलानः अनातोले कोलिनेट माकोसो फिर बने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने की घोषणा

**कांगो , एजेंसी।** अफ्रीकी देश कांगो गणराज्य में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत नई सरकार का आधिकारिक गठन हो गया है। राष्ट्रपति डेनिस सासो न्गुएसो ने नेशनल टेलीविजन पर एक विशेष संबोधन के माध्यम से देश की नई कैबिनेट की घोषणा की। इस नई व्यवस्था में अनातोले कोलिनेट माकोसो को एक बार फिर से प्रधानमंत्री की कमान सौंपी गई है। राष्ट्रपति न्गुएसो ने माकोसो पर पुन: विश्वास जताते हुए उन्हें देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी दी है। नई सरकार का स्वरूप काफी व्यापक रखा गया है। प्रधानमंत्री माकोसो के नेतृत्व वाली इस टीम में एक डिप्टी प्रधानमंत्री, तीन राज्य मंत्री और 37 मंत्रियों को जगह दी गई है। सरकार में अनुभव और निरंतरता को महत्व देते हुए कई पूर्व मंत्रियों को नई भूमिकाएं सौंपी गई हैं। इनमें से क्षेत्रीय योजना और बड़े कार्यों के पूर्व राज्य मंत्री जीन-जैक्स बैया को प्रमोट करते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और टेरिटोरियल प्लानिंग का इंचार्ज उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं, पियरे ओबा को राष्ट्रपति कार्यालय में राजनीतिक मामलों का प्रभारी राज्य मंत्री बनाया गया है। क्लाउड अल्फोंस न्सिलौ को कंस्ट्रक्शन, अर्बन प्लानिंग और हाउसिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पियरे माबियाला को सिविल सेवा, श्रम और सामाजिक संवाद विभाग का राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है। इस नई सरकार का गठन कांगो में हुए हालिया राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुआ है। कांगो के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना और नई सरकार का गठन करना अनिवार्य होता है। बता दें कि 15 मार्च को हुए राष्ट्रपति चुनाव में डेनिस सासो न्गुएसो ने 94.9 प्रतिशत के भारी बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, इस चुनाव में लगभग 84.65 फीसदी मतदाताओं ने हिस्सा लिया था। हालांकि, इस राजनीतिक प्रक्रिया के साथ विवाद भी जुड़े रहे हैं। चुनाव के दौरान विपक्ष की दो बड़ी पार्टियों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसका बहिष्कार किया था और धांधली के गंभीर आरोप लगाए थे। विपक्ष के कद्दावर नेता जनरल जीन-मैरी मिशेल मोकोको और आंद्रे ओकोम्बी सालिसा ने इस पूरी प्रक्रिया का पुरजोर विरोध किया। चुनाव के दिन राजधानी ब्राजाविल में ट्रैफिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और इंटरनेट सेवाएं भी पूरी तरह बंद कर दी गई थीं, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री माकोसो ने नई सरकार के गठन से पहले 17 अप्रैल को अपना इस्तीफा सौंपा था। जिसके बाद 23 अप्रैल को उन्हें आधिकारिक तौर पर दोबारा नियुक्त किया गया। अब उनके सामने न्गुएसो के विजन को धरातल पर उतारने की बड़ी चुनौती होगी।

### दाऊद गैंग को लगा बड़ा झटकाः गिरफ्तार हुआ खास गुर्गा सलीम डोला; खबरों में दावा- तुर्किये में पुलिस ने दबोचा

**इस्तांबुल , एजेंसी।** कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने सलीम डोला की गिरफ्तारी की खबर की पुष्टि की है। डोला इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के दायरे में था। यह नोटिस भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुंबई पुलिस में दर्ज मामलों के आधार पर जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का सरगना माना जाता है कि सलीम डोला भारत भर में फैले कई गुप्त अड्डों और कारखानों का इस्तेमाल करके कई देशों में फैले एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग तस्करी नेटवर्क को चला रहा था। सूत्रों के अनुसार, वह दुबई से अपने ड्रग रैकेट को नियंत्रित करता था। रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी की पुष्टि होने से पहले एक भारतीय अधिकारी ने कहा था कि अगर डोला पकड़ा जाता है, तो उसके ड्रग तस्करी गिरोह के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने, जिन्होंने गुमनाम रहने की शर्त पर बात की, कहा, 'अगर डोला को हिरासत में लिया गया है, तो यह बहुत अच्छी खबर है और उसके तस्करी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।' सूत्रों ने बताया है कि सलीम डोला के ड्रग तस्करी नेटवर्क का सालाना कारोबार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का था। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की कुल कमाई का कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है।पिछले साल, सलीम डोला के बेटे ताहिर डोला को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानीय अधिकारियों और इंटरपोल की मदद से हिरासत में लिया गया था। ताहिर डोला को जून 2025 में सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित किया गया था। इसके कुछ महीनों बाद, सलीम डोला के एक प्रमुख सहयोगी सलीम मोहम्मद सोहेल शेख को दुबई से निर्वासित कर मुंबई एंटी-नारकोटिक्स सेल ने कई मामलों में गिरफ्तार किया था। कई मामलों में वांछित सलीम डोला और उसके सहयोगियों के खिलाफ भारत में ड्रग तस्करी, निर्माण और अन्य अपराधों से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों का भी सामना कर रहे हैं।

चीन के चौथे परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर

# 'हे जियान' ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन की नौसेना ने समुद्र में अपना दबदबा बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपनी 77वीं वर्षगांठ के मौके पर एक नया वीडियो जारी किया है। इस खास चीन के नए विमान वाहक का वीडियो ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तटीय रक्षा से लेकर गहरे समुद्र तक चीनी नौसेना की बढ़ती ताकत इसमें दिखाई गई है।

इस वीडियो में पुराने जहाजों के अधिकारियों को नए लोगों को कंपास सौंपते दिखाया गया है। इसके साथ ही चौथे संभावित एयरक्राफ्ट कैरियर 'हे जियान' के निर्माण का भी बड़ा संकेत मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चीन का पहला पूरी तरह से परमाणु ऊर्जा संचालित जहाज होगा। इस नए जंगी जहाज के आने से अमेरिका और भारत जैसे देशों की रणनीतिक चिंताएं बढ़ेंगी।

### हे जियान का संकेत

चीनी नौसेना के वीडियो में चौथे जहाज का नाम 'हे जियान' होने की मजबूत संभावना जताई गई है। चीनी भाषा में 'हे' शब्द का सीधा मतलब परमाणु ऊर्जा से जुड़ा हुआ माना जाता है। अगर यह सच है तो यह दुनिया में चीन की नौसैनिक ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

### सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा

डालियान शिपयार्ड की सैटेलाइट तस्वीरों में एक बहुत ही विशालकाय जहाज बनता हुआ साफ दिख रहा है। यह जहाज आकार में अमेरिका के जेराल्ड आर. फोर्ड श्रेणी के जंगी जहाजों के बिल्कुल समान है। इन तस्वीरों में जहाज पर परमाणु रिएक्टर रोकथाम जैसी संरचनाएं भी आसानी से देखी जा सकती हैं।

### पारंपरिक जहाजों से अलग

वर्तमान में चीन के पास लियाओनिंग, शेडोंग और फुजियान नाम के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर मौजूद हैं। ये तीनों विमानवाहक पोत अभी तक पूरी तरह से पारंपरिक ईंधन की मदद से ही चलते हैं। लेकिन नया कैरियर चीन का पहला स्वदेशी और परमाणु ऊर्जा से संचालित होने वाला जहाज होगा।

### फुजियान की खूबियां

पिछले साल नवंबर में चीन ने अपना तीसरा और सबसे आधुनिक कैरियर 'फुजियान' नौसेना में शामिल किया था। लगभग 80,000 टन वजनी यह जहाज अत्याधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल तकनीक से पूरी तरह लैस है। अब तक यह खास और उन्नत तकनीक केवल अमेरिकी नौसेना के जहाजों के पास ही मौजूद थी।

### जहाजों की तुलना

चीन के पास इस समय कुल 234 जंगी युद्धपोतों का एक बहुत बड़ा और मजबूत बेड़ा है। यह संख्या सीधे तौर पर अमेरिका के 219 जहाजों की तुलना में काफी अधिक मानी जा रही है। हालांकि अमेरिका के पास अभी भी 11 परमाणु संचालित एयरक्राफ्ट कैरियर की जबरदस्त ताकत मौजूद है।

### वैश्विक मार्गों पर नजर

विशेषज्ञों के अनुसार चीन अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण यह विस्तार तेजी से कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों पर अपना पूर्ण नियंत्रण और एकाधिकार स्थापित करना है। फुजियान के बाद चीन अब हिंद महासागर और अरब सागर में भी अपनी गश्त बढ़ा सकता है।

### भारत के लिए चिंता

चीन जिबूती, ग्वादर और हंबनटोटा जैसे ठिकानों से भारत के समुद्री क्षेत्र में सक्रिय हो गया है। इन गतिविधियों ने भारतीय नौसेना के सामने कई नई और गंभीर सुरक्षा चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसके जवाब में भारत भी आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

### कोलंबिया में हिंसक हमले जारी, बस में भीषण बम धमाके से गई सात की जान; कई घायल

**बोगोटा , एजेंसी।** कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिम इलाके में शनिवार को एक बस में बम धमाका हुआ। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और 17 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। काउका प्रांत के गवर्नर ओक्टावियो गुजमैन ने बताया कि यह धमाका काजिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुआ। बस उस समय रास्ते पर चल रही थी जब उसमें रखा विस्फोटक फट गया। सेना के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है। उन्होंने इस हमले का जिम्मेदार इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जेम मार्टिनेज गुट को ठहराया। ये दोनों गुट पूर्व विद्रोही संगठन फार्क से अलग हुए समूह हैं। इन समूहों ने साल 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया था।

राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस हमले पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि काजिबियो में सात नागरिकों की हत्या करने वाले लोग आतंकवादी और ड्रग तस्कर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मरने वालों में कई लोग आदिवासी समुदाय के थे। यह हमला पिछले दो दिनों में हुई हिंसा की कई घटनाओं में से एक है। जनरल लोपेज के अनुसार, इस क्षेत्र में पिछले 48 घंटों में 26 आपराधिक घटनाएं हुई हैं।

शनिवार को ही अधिकारियों ने एल टैम्बो में विस्फोटक से लदे तीन ड्रोन मार गिराए। इससे पहले शुक्रवार को काली और पल्मिरा में सेना की यूनिट्स के पास दो गाड़ियों में धमाके किए गए थे। जमुंडी के ग्रामीण इलाके में एक पुलिस स्टेशन पर भी गोलीबारी हुई। अधिकारियों का कहना है कि काउका और वैले डेल काउका इलाके ड्रग तस्करी के बड़े केंद्र हैं। विद्रोही गुट बुएनावेंचुरा बंदरगाह तक जाने वाले रास्तों पर कब्जा करना चाहते हैं। इन रास्तों से मध्य अमेरिका और यूरोप में ड्रग्स भेजी जाती है। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि सरकार इन अपराधियों को कड़ा जवाब देगी। वैले डेल काउका की गवर्नर फ्रांसिस्का टोरो ने केंद्र सरकार से तुरंत मदद मांगी है। उन्होंने सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने और खुफिया अभियान तेज करने की अपील की। सरकार ने विद्रोही नेता मार्लोन को पकड़ने के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा के इनाम की घोषणा की है।

## माली में इस्लामी उग्रवादियों ने फैलाया आतंक, कई जगहों पर हमलों को दिया अंजाम, भारत ने जारी की एडवाइजरी

**माली , एजेंसी।** पश्चिम अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको और देश के अन्य शहरों में शनिवार को इस्लामी उग्रवादियों और अलगाववादियों ने कई स्थानों पर हमले किए। यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे बड़े हमलों में से एक था। अल-कायदा से जुड़ा एक आतंकवादी समूह, जकातत नसर अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

वहीं, पश्चिम अफ्रीकी देश माली में हालिया सुरक्षा घटनाओं के मद्देनजर भारत सरकार ने वहां रह रहे अपने नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने, सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

**भारतीय दूतावास ने जारी किए सुरक्षा बरतने के निर्देश :** माली की राजधानी बमाको में स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, 'माली के काटी और अन्य हिस्सों में हालिया सुरक्षा घटनाओं और हमलों की रिपोर्टों के कारण देश में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्क रहने, अधिकतम सावधानी बरतने, घर के अंदर रहने और समय-समय पर माली के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है।'

दूतावास ने यह भी बताया कि वह माली के अधिकारियों के साथ समन्वय में उभरती स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और आवश्यकतानुसार आगे के अपडेट जारी करेगा। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपनी वेबसाइट और दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से संपर्क में रहने का आग्रह किया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए भारतीय नागरिकों को दूतावास से +223 78486019/94793705 पर संपर्क करने की भी सलाह दी गई है।

**कई जगहों पर इस्लामी उग्रवादियों ने किया हमला :** जेएनआईएम ने अपनी वेबसाइट पर दावा किया कि ये हमले अजावाद लिबरेशन फ्रंट (एएलएफ) के साथ मिलकर किए गए थे, जो एक तुआरेग-नेतृत्व वाला अलगाववादी समूह है। इन हमलों में माली की राजधानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ मध्य और उत्तरी माली के चार अन्य शहरों को निशाना बनाया गया।

माली पहले से ही अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े संगठनों के साथ-साथ उत्तर में एक अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। मालियाई सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने बमाको में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया। बाद में एक अन्य बयान में सेना ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

**हवाई अड्डे के पास बरसाई गोलियां :** बमाको में एक समाचार एजेंसी के पत्रकार ने मोडिबो कीटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास से भारी हथियारों और स्वचालित राइफलों की लगातार आवाजें सुनीं। हवाई अड्डा माली के वायु सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक हवाई अड्डे के बगल में स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने भी गोलीबारी और तीन हेलीकॉप्टरों को इलाके में गश्त करते देखा।

### मजाक में कही बात हो गई सचः आज रात गोलियां चलेंगी', ट्रंप पर हमले से पहले प्रेस सचिव ने कही थी कुछ ऐसी ही बात

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर के दौरान उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। घटना के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इतने हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान इस तरह की चूक को बड़ी विफलता माना जा रहा है। हालांकि सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

**लेविट का बयान क्यों हो रहा वायरल? :** हालांकि इस मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का एक बयान खूब चर्चा में आ गया है।

जहां उन्होंने एक पत्रकार से बातचीत में मजाक-मजाक में कहा था कि आज रात गोलियां चलने वाली है। लेविन ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति का भाषण क्लासिक डोनाल्ड जे. ट्रंप जैसा होगा। इस बयान को अब लोग घटना से जोड़कर देख रहे हैं और सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है।

वहीं कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर भी तैयारी चल रही थी और दर्शकों को टीवी पर कवरेज देखने के लिए कहा गया था। लेकिन गोलीबारी की घटना ने पूरे माहौल को बदल दिया और कार्यक्रम की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया। यह घटना अब जांच के घेरे में है और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हमलावर अंदर तक कैसे पहुंचा या हमला करने की कोशिश कैसे हुई।

### स्ट्रेट ऑफ होर्मुज होकर पहले की तरह कब से गुजरेंगे जहाज? यूएस ने माइंस हटाने का काम शुरू किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** गोल्डमैन सैक्स रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से खुलने के कुछ ही महीनों के भीतर खाड़ी क्षेत्र का कच्चा तेल उत्पादन काफी हद तक ठीक हो सकता है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध-पूर्व के स्तर तक पूरी तरह से वापसी में समय लग सकता है। अगर यह महत्वपूर्ण जलमार्ग बंद रहता है तथा पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो कच्चे तेल के उत्पादन को और भी अधिक जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

रिसर्च में अनुमान लगाया गया है कि खाड़ी क्षेत्र का उत्पादन युद्ध-पूर्व के स्तर की तुलना में 14.5 मिलियन बैरल प्रति दिन यानी 57% तक गिर गया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि अगर तेल संपत्तियों पर नए सिरे से कोई हमला नहीं होता है और आने वाले महीनों में यह जलडमरूमध्य पूरी तरह से और सुरक्षित रूप से फिर से खुल जाता है, तो उत्पादन में तेजी से सुधार संभव है। उत्पादन में सुधार की गति परिवहन और कुओं से तेल निकलने की दर पर निर्भर करेगी। एक बार जब यह जलमार्ग फिर से खुल जाएगा, तो मुख्य बाधाएं पाइपलाइन की क्षमता, पहले से निकाले गए तेल को ले जाने के लिए खाली टैंकरों की उपलब्धता, और तेल क्षेत्रों में मरम्मत व रखरखाव के काम के लिए जरूरी सामग्री और कर्मचारियों को जुटाने से जुड़ी हो सकती हैं।

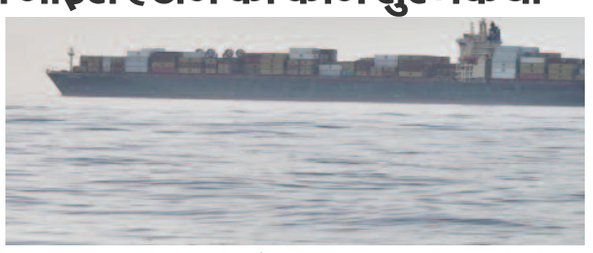

संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में उपलब्ध खाली टैंकरों की क्षमता में लगभग 50 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि पूरी तरह से ठीक होने में कई तिमाहियां लग सकती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिकी नौसेना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ईरानी बारूदी सुरंगों को हटाने का काम शुरू कर चुकी है। यह कदम वैश्विक तेल आपूर्ति को बहाल करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में है। समुद्र के नीचे बिछाई गई इन विस्फोटक सुरंगों को साफ करने में कम से कम 6 महीने लग सकते हैं।

### कौन है कोल एलन? जिसने ट्रंप की डिनर पार्टी में बरसाई गोलियां

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर से ठीक पहले हुई फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कैलिफोर्निया के 31 वर्षीय टीचर कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। अधिकारियों ने उसे एक 'अकेला भेड़िया' और 'असामान्य व्यवहार वाला व्यक्ति' बताया है।डोनाल्ड ट्रंप ने घटना के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आरोपी के पास कई हथियार थे और वह डिनर स्थल में घुसने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने उसे वाशिंगटन हिल्टन के बॉलरूम के बाहर ही रोक लिया, जिससे बड़ी घटना टल गई।मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए हैं। उसे रोकने के दौरान सुरक्षाबलों ने गोली चलाई, जिसके बाद उसे काबू में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया।वॉशिंगटन डीसी की मेयर म्यूरियल बोसर ने पुष्टि की कि घटना में केवल एक ही व्यक्ति शामिल था और वह अकेले ही डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था। वहीं, यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो ने बताया कि एलन पर दो गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें हिंसा के दौरान हथियार का इस्तेमाल और एक अधिकारी पर खतरनाक हथियार से हमला शामिल है।

## दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाले पाकिस्तान में बलूच कार्यकर्ताओं पर अत्याचार

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पूरे पाकिस्तान में मानवाधिकारों को लेकर एक गंभीर और नई बहस छेड़ दी है। दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाला यह देश अब अपने ही नागरिकों पर भारी अत्याचार कर रहा है। बलूच यकजेहती कमेटी की प्रमुख सदस्य फोजिया बलोच को कराची प्रेस क्लब से पुलिस ने अचानक हिरासत में लिया है। इस मनमानी और अवैध गिरफ्तारी का देश और दुनिया के तमाम प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने कड़ा विरोध किया है।

फोजिया बलोच अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने लापता भाई का मुद्दा उठाने प्रेस क्लब पहुंची थीं। उनके भाई दादशाह बलोच को 21 अप्रैल को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया था। लापता भाई की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करने से भी पुलिस ने पूरी तरह से इनकार कर दिया था। न्याय की मांग करने वाले परिवारों को डराया जा रहा है और उनकी आवाज को बेरहमी से

दबाया जा रहा है।

**प्रेस क्लब से गिरफ्तारी:** फोजिया बलोच शनिवार को कराची प्रेस क्लब में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए पहुंची थीं। पुलिस ने उन्हें और उनके परिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से रोककर जबरन अज्ञात स्थान पर भेज दिया। बलूच यकजेहती कमेटी ने सरकार से फोजिया और उनके भाई दादशाह की तुरंत रिहाई की जोरदार मांग की है।

**मानवाधिकारों का हनन :** बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' ने पाकिस्तान सरकार की इस हरकत की कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि यह पीड़ित परिवारों की आवाज दबाने और उन्हें न्याय से वंचित करने की गहरी साजिश है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से पाकिस्तान की जवाबदेही तय करने की पुरजोर और गंभीर अपील की गई है।

**महिलाओं पर अत्याचार :** बलूच स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन आजाद ने अधिकारियों पर महिलाओं को गायब करने को सामान्य बनाने का आरोप लगाया है। संगठन के प्रवक्ता शोलन बलोच ने दावा किया कि इस साल करीब दो दर्जन बलूच महिलाओं को उठाया गया है। क्वेटा, कराची और खुजदार जैसे कई अलग-अलग इलाकों से महिलाओं को जबरन उठाकर कड़ी प्रताड़ना दी जा रही है।

**आवाज दबाने की कोशिश :** बलूच वॉयस फॉर जस्टिस ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान में असहमति के लिए सार्वजनिक जगह बहुत कम हो गई है। लापता लोगों की जानकारी मांगने वाले दुखी परिवारों को लगातार डराया और धमकाया जा रहा है। झूठे नैरेटिव गढ़कर बलूचिस्तान के शांतिपूर्ण आंदोलन को हर स्तर पर कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं।

**पुलिस का रवैया :** दादशाह बलोच के अपहरण के बाद परिवार ने तुरंत पुलिस में मामला दर्ज कराने की पूरी कोशिश की थी। पुलिस ने इस गंभीर मामले में किसी भी तरह की कानूनी शिकायत या रिपोर्ट लिखने से साफ मना कर दिया। इस रवैये से साफ जाहिर होता है कि सुरक्षा बल ही इन अपहरण की घटनाओं के पीछे मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

**आंदोलन का भविष्य :** फोजिया बलोच की रिहाई के लिए अब बड़ी संख्या में लोग अपना भारी विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। बलूच समुदाय का यह दर्द और आक्रोश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संगठनों का ध्यान भी खींच रहा है। अगर पाकिस्तान ने इस अत्याचार को नहीं रोका तो देश के भीतर बुनियादी अधिकारों का एक भयानक संकट खड़ा हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )